epaper.dehatsandesh.com

3 बसोहली-बनी मार्ग पर शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक यातायात पर प्रतिबंध

5 महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर..

8 सब्जियों की उपयोगिता

मौसम जम्मू — न्यूनतम 23 — अधिकतम 28

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष 22, जम्मू तवी, अंक 228 | जम्मू तवी, मंगलवार 16 सितम्बर 2025 | मूल्य- 3 रूपये (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

सुप्रीम कोर्ट ने किया वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने से इनकार

नयी दिल्ली, 15 सितंबर । उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर पूरी तरह से रोक लगाने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन कहा कि अंतिम निर्णय आने तक इसके कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित कानून के संशोधन की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित किया। पीठ ने 22 मई को उस कानून के विभिन्न प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शीर्ष अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए वक्फ के लिए संपत्ति समर्पित करने के लिए 5 साल तक इस्लाम का पालन करने के मानदंड के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को वक्फ के रूप में संपत्ति समर्पित करने से पहले पांच वर्षों तक मुस्लिम होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धारा 3(आर), इस अनिवार्यता पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि राज्य (सरकार) द्वारा यह जांचने के लिए नियम नहीं बनाए जाते कि व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसे किसी नियम/तंत्र के बिना, यह प्रावधान मनमाने ढंग से सत्ता का प्रयोग करेगा। अदालत ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों का न्यायनिर्णयन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इससे शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन होगा। पीठ ने वक्फ निकायों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के प्रावधान पर के मामले में कहा कि फिलहाल राज्य वक्फ बोर्ड में तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य शामिल नहीं किए जाने चाहिए और केंद्रीय वक्फ बोर्ड में कुल मिलाकर चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य शामिल नहीं किए जाएंगे।

लोकतंत्र के हित में है वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय: रिजिजू

नयी दिल्ली, 15 सितंबर। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उच्चतम न्यायालय के वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत का निर्णय लोकतंत्र के हित में है। श्री रिजिजू ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर सोमवार को कहा कि यह देश के लिए बहुत अच्छा निर्णय है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र के लिए यह बहुत अच्छा संकेत है। कुछ लोग बिना वजह के संसद के निर्णय को चुनौती देते हैं। उन्होंने कहा कि संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती है। संसद में बने कानून के प्रावधान को लेकर चुनौती दी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने शीर्ष अदालत में अधिनियम की मंशा और प्रावधान के बारे में बताया है। शीर्ष अदालत का फैसला लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि कोई भी कानून जब संसद में बनता है तब उस पर विस्तृत चर्चा की जाती है।

कश्मीर से दिल्ली के लिए पहली समर्पित पार्सल ट्रेन को उपराज्यपाल ने दिखाई हरी झंडी

श्रीनगर 15 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कश्मीर से दिल्ली के लिए पहली समर्पित पार्सल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।उपराज्यपाल ने आठ पार्सल वैन और 23 टन भार क्षमता वाली इस ट्रेन को कश्मीर घाटी के बडगाम रेलवे स्टेशन से दिल्ली के आदर्श नगर के लिए हरी झंडी दिखाई । इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह नयी मालगाड़ी सेवा केंद्र शासित प्रदेश के सेब उत्पादकों के लिए अपनी उपज देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने घाटी में सेब उत्पादकों और व्यापारियों के लिए व्यापार एवं व्यवसाय के अवसरों के नए युग की शुरुआत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कि इससे परिवहन समय में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा हजारों किसानों के लिए आय के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम के बाद श्री सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा , भौगोलिक कारणों और भारी बारिश के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग अक्सर बंद रहता है, जिससे जल्दी खराब होने वाले सामानों को भारी नुकसान होता है। रेलवे ने एक बेहतर परिवहन व्यवस्था शुरू की है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार 16 सितंबर को बडगाम से दिल्ली के लिए चलने वाली दूसरी खेप भी पूरी तरह से बुक हो चुकी है। इस समारोह में मंडल रेल प्रबंधक विवेक कुमार ने कहा, यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि और गर्व की बात है कि भारतीय रेलवे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, और यह नई पार्सल मालगाड़ी इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि बडगाम और दिल्ली के आदर्श नगर के बीच चलने वाली यह नई सेवा माल परिवहन के क्षेत्र में क्रांति लाएगी और क्षेत्र के व्यापार एवं उद्योग को बढ़ावा देगी।

खबर संक्षेप

डोडा में 20 दिन बाद आज से खुले स्कूल

जम्मू, 15 सितंबर । लगभग 20 दिनों तक बंद रहने के बाद डोडा जिले के सभी स्कूल सोमवार से फिर से खुल गए।

जानकारी के अनुसार, सबसे पहले भारी बारिश और खराब मौसम की वजह से स्कूलों को बंद करना पड़ा था। जब प्रशासन ने स्कूल खोलने की तैयारी की, तभी विरोध-प्रदर्शनों की स्थिति बन गई, जिसके चलते छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा को देखते हुए छुट्टियाँ बढ़ा दी गईं।

अब जिले में हालात सामान्य होने के बाद शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को नियमित रूप से खोलने की घोषणा की है। अभिभावकों, शिक्षकों और छात्रों ने इस फैसले पर राहत जताई है, क्योंकि लंबे अवकाश से शैक्षणिक सत्र पर असर पड़ रहा था।

मेंढर भूस्खलन पीड़ितों के लिए राहत न मिलने पर सरकार को घेरा

जम्मू, 15 सितंबर। जम्मू-कश्मीर बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट कॉन्फ्रेंस ने कलाबन गांव में हुए भूस्खलन से बेघर हुए परिवारों को लेकर सरकार के लापरवाह रवैये की कड़ी आलोचना की है। संगठन का कहना है कि घटना को एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी प्रभावित परिवारों को उचित राहत और आश्रय नहीं मिल पाया है।

जानकारी के अनुसार 9 सितम्बर को हुए भूस्खलन में करीब 70 परिवारों के 300 से 400 लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए। कई लोग अपना सामान तक नहीं निकाल पाए। प्रभावितों को पंचायत घरों में रखा गया है, जहां न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही शौचालय जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भारी दिक्कत हो रही है।

चेयरमैन और पूर्व कुलपति डॉ. शहज़ाद अहमद मलिक ने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर सामुदायिक भवन तो बनाए गए, लेकिन ज़रूरत पड़ने पर वे बंद पड़े हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब लोग बेघर हैं तो ऐसे भवन क्यों नहीं खोले गए। डॉ. शहज़ाद ने कहा कि यह त्रासदी न केवल घर उजाड़ गई बल्कि लोगों की आजीविका मवेशी, घर का सामान और बच्चों की किताबें तक छीन ले गई। उन्होंने अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए कहा कि हर नागरिक को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है, लेकिन प्रशासन पीड़ितों को असुविधाजनक इमारतों में ठहराकर उनकी गरिमा छीन रहा है। उन्होंने सभी राजनीतिक नेताओं से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर पीड़ितों के लिए काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़ विधायक की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि चुनाव लड़ने वाले अन्य नेताओं की भी जिम्मेदारी बनती है।

अगले 24 घंटों में पूरे जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश की भविष्यवाणी

श्रीनगर, 15 सितंबर। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में पूरे जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है जिसके बाद आने वाले दिनों में मौसम की स्थिति बदल जाएगी। मौसम कार्यालय के अनुसार 17 सितंबर को केंद्र शासित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शुष्क और गर्म रहने की उम्मीद है। 18 सितंबर से 19 सितंबर की शाम के बीच कई इलाकों में छिटपुट बारिश के साथ मौसम थोड़ा बदल सकता है। 20 सितंबर से मौसम ज्यादातर शुष्क रहने की उम्मीद है जिससे निवासियों और फसल की तैयारी कर रहे किसानों को राहत मिलेगी

जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट ने विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ चार्जशीट पर रोक लगाई

जम्मू., 15 सितंबर । जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने पर रोक लगा दी है, हालांकि जांच जारी रखने की अनुमति दी गई है।

यह मामला एफआईआर संख्या 0130/2025 से जुड़ा है, जिसे नए भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज किया गया है। इस एफआईआर में धारा 356(2) (अपमान के इरादे से हमला), धारा 79 (लोक सेवक के काम में बाधा डालना) और धारा 351(2) (लोक सेवक को रोकने के लिए बल प्रयोग) लगाई गई हैं।

जस्टिस राजेश सेखरी ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करते हुए चार हफ्तों में आपत्तियां दाखिल करने का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को तय की।

मुख्यमंत्री उमर ने आईईआई श्रीनगर में 58वें इंजीनियर्स डे में भाग लिया, भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीनगर 15 सितंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), जम्मू-कश्मीर स्टेट सेंटर, श्रीनगर में आयोजित 58वें इंजीनियर्स डे समारोह में भाग लिया और भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्र-निर्माण में इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने नवाचार और नैतिक ज़िम्मेदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इंजीनियर विकास और ि यान्वयन की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा, सरकार सफल हो या न हो, इसमें इंजीनियरों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हम बैठकों और सत्रों में नए विचार ला सकते हैं, लेकिन आपके बिना इन्हें ज़मीन पर लागू नहीं किया जा सकता। इंजीनियरिंग समुदाय को आश्वस्त करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैं आप सभी को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि मेरे सहयोगी और मैं इस पर गंभीरता से काम कर रहे हैं। हम आपके लंबित मुद्दों के लिए एक स्थायी समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं, न कि केवल एक बार की व्यवस्था। आप जम्मू-कश्मीर को एक विकसित राज्य बनाने में योगदान देते रहें, वहीं आपकी सेवाओं से जुड़े मामलों के समाधान की ज़िम्मेदारी हमारी होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आईईआई जेकेएससी की नीति सारांश पुस्तिकाओं और समाचार पत्रिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वाणी, विधायक लाल चौक शेख एहसान अहमद, आईईआई जेकेएससी के चेयरमैन इंजीनियर इतिखार अहमद हकीम और मानद सचिव डॉ. जहांगीर अली ने भी सभा को संबोधित किया और समाज एवं अधोसंरचना निर्माण में इंजीनियरों के योगदान को रेखांकित किया। इस आयोजन में इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों और अन्य पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बिलावर में भूस्खलन पीड़ितों को राहत न मिलने पर सड़क पर उतरे लोग

जम्मू., 15 सितंबर। बिलावर की सुकराला सड़क पर सारी मोड़ के पास आज लोगों का गुस्सा प्रशासन के खिलाफ फूट पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि भूस्खलन की चपेट में आने से आठ घर क्षतिग्रस्त हो गए थे, लेकिन प्रभावित परिवारों को अब तक किसी तरह की सरकारी मदद नहीं दी गई।

सुबह 11 बजे से शुरू हुआ यह प्रदर्शन करीब 12:30 बजे तक चला। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लगभग डेढ़ घ टे तक यातायात प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों में करीम दीन, सुषमा बानो, मुमताज बेगम और आजम दीन शामिल थे। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों ने 28 अगस्त को तहसीलदार बिलावर को अर्जी दी थी, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें टेंट, राशन या किसी अन्य प्रकार की सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई। लोगों के गुस्से की जानकारी मिलते ही नायब तहसीलदार करण कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँचे और प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया।

पुंछ में ज़मीन धंसने से घरों को नुकसान, 400 लोगों को आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया गया

पुंछ, 15 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर उप-मंडल के कलाबन गाँव के लगभग 400 निवासियों को लगातार बारिश के कारण ज़मीन धंसने के कारण कई घरों में दरारें आने के बाद अस्थायी आश्रय स्थलों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि स्थानीय एनजीओ की मदद से अधिकारी विस्थापित परिवारों को राहत सामग्री और आवश्यक सामान उपलब्ध करा रहे हैं। प्रशासन ने कलाबन को असुरक्षित घोषित कर दिया है और निवासियों को अगली सूचना तक वहाँ से निकलने का निर्देश दिया है। 13 सितंबर को कई दिनों की भारी बारिश के बाद लगभग 700 लोग प्रभावित हुए और लगभग 95 घर क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने बताया कि राहत शिविरों में रह रहे परिवारों को भोजन, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस बीच खराब मौसम और कटरा मार्ग पर बार-बार भूस्खलन के कारण रविवार को लगातार 20वें दिन वैष्णो देवी यात्रा स्थगित रही। श्रद्धालुओं ने निराशा व्यक्त की लेकिन व्यवस्थाओं का स्वागत किया। दिल्ली के एक श्रद्धालु दुर्गेश शर्मा ने कहा कि वहाँ भारी बारिश के कारण हम दर्शन नहीं कर सके। लेकिन हम भाग्यशाली हैं कि हमें यहाँ प्रसाद मिल रहा है। लोग दूर-दूर से आ रहे हैं और कम से कम उन्हें प्रसाद तो मिल रहा है। मैं यहाँ आकर बहुत खुश हूँ। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 14 सितंबर को फिर से शुरू होने वाली यात्रा लगातार बारिश के कारण स्थगित कर दी गई है और तीर्थयात्रियों से आधिकारिक अपडेट का पालन करने का आग्रह किया है। इस बीच उधमपुर जिले मे रविवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर थरद में लंबा ट्रैफिक जाम लगा रहा जहाँ भारी भूस्खलन के बाद केवल एक लेन ही चालू है अधिकारियों ने बताया कि लगभग 2,000 ट्रकों सहित हजारों वाहन फंसे हुए हैं क्योंकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बनाई गई अस्थायी सड़क भारी यातायात को संभाल नहीं पा रही है।

सांख्यिकीय संकट को बढ़ावा दे रहा विपक्ष : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने बिहार में लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया

पूर्णिया (बिहार), 15 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्षी दलों पर अवैध प्रवासियों को बचाने का आरोप लगाया और कहा कि घुसपैठ ने बिहार, असम और पश्चिम बंगाल जैसे पूर्वी राज्यों में जनसांख्यिकीय संकट पैदा कर दिया है, जिससे लोग अपनी बहनों और बेटियों की इज्जत के लिए चिंतित हैं। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने कांग्रेस पर बिहार के लोगों की तुलना कथित तौर पर बीड़ी से करने का आरोप लगाया और इसे बिहारियों का अपमान करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद जैसे विपक्षी दल विदेशों से घुसपैठियों को बचाकर बिहार और पूरे देश की सुरक्षा और संसाधनों को खतरे में डाल रहे हैं। मोदी ने जोर देकर कहा कि घुसपैठ ने देश के पूर्वी हिस्से में जनसांख्यिकीय संकट पैदा कर दिया है, जिससे बिहार, असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के लोग अपनी बहनों और बेटियों की इज्जत के लिए चिंतित हैं।मोदी ने आरोप लगाया, यही वजह थी कि मैंने (स्वतंत्रता दिवस पर) लाल किले से जनसांख्यिकी मिशन की घोषणा की थी। लेकिन वोट बैंक की राजनीति ऐसी है कि कांग्रेस, राजद और उनका पूरा तंत्र विदेशी घुसपैठियों को बचाने और उन्हें बचाने में लगा हुआ है।उन्होंने दावा किया कि ये विपक्षी दल देश की सुरक्षा और संसाधनों को दांव पर लगा रहे हैं।कांग्रेस की हाल ही में संपन्न मतदाता अधिकार यात्रा का स्पष्ट संदर्भ देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, वे इतने बेशर्म हो गए हैं कि वे विदेशी घुसपैठियों के समर्थन में नारे लगा रहे हैं और यात्राएँ निकाल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, लेकिन मैं राजद, कांग्रेस और उनके जैसे लोगों को बता दूँ कि एनडीए हर घुसपैठिए को बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं उन नेताओं को चुनौती देता हूँ जो घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे पूरी ताकत से कोशिश करें।

पुलिस ने जनता से फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं से निपटने का आग्रह किया

डोडा, 15 सितंबर । सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संदीप मेहता ने डोडा के सभी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को एक सख्त चेतावनी जारी की है। एसएसपी ने फर्जी खबरें, पुराने वीडियो, नफ़रत भरे भाषण या आपराधिक गतिविधियों अशांति या सार्वजनिक अशांति को बढ़ावा देने वाली कोई भी सामग्री साझा करने से बचने पर ज़ोर दिया है। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि असत्यापित या भड़काऊ सामग्री का प्रसार एक गंभीर अपराध माना जाता है जिसके सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता सहित लागू कानूनों के तहत संभावित कानूनी परिणाम हो सकते हैं।

उपराज्यपाल ने श्रीनगर में 'जश्न-ए-डल' वॉटर स्पोर्ट्स कार्यक्रम के समापन समारोह में शिरकत की

श्रीनगर 15 सितंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने डल झील, श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा आयोजित वॉटर स्पोर्ट्स कार्यक्रम 'जश्न-ए-डल' के समापन समारोह में भाग लिया अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को राष्ट्र-निर्माण में अहम भूमिका निभाने, कानून-व्यवस्था कायम रखने, जन-सुरक्षा सुनिश्चित करने और आतंकवाद से लड़ने में उनके योगदान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर पुलिस का समुदायों से सक्रिय जुड़ाव और युवाओं का सशक्तिकरण सराहनीय है। राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा की रक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य कर रही है। उपराज्यपाल ने प्रतिष्ठित डल झील पर वार्षिक खेल आयोजन कराने के लिए पुलिस की सराहना की और कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना और खिलाड़ियों में एकता, सद्भाव और आपसी भाईचारे की भावना पैदा करना है। उन्होंने कहा, फजम्मू-कश्मीर पुलिस राज्य के युवाओं की संरक्षक है। यह युवाओं को अवसर, संसाधन, सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे उनमें नागरिक दायित्व और समावेशी विकास की भावना विकसित हो। 'जश्न-ए-डल', 'पैडल फॉर पीस', मैराथन, फुटबॉल और क्रिकेट टूर्नामेंट जैसे कार्यक्रम सिर्फ खेल प्रतियोगिता नहीं बल्कि युवाओं के लिए एक नए और सकारात्मक अध्याय के प्रतीक हैं। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने एथलीटों से आह्वान किया कि वे युवाओं को प्रेरित करें ताकि वे अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ें और नशे की बुराई से दूर रहें।

डीजल, एलपीजी का स्टॉक पर्याप्त, राजमार्ग बहाली का काम जारी : डिविजनल कमिश्नर कश्मीर

श्रीनगर, 15 सितंबर । पेट्रोल की कमी और राजमार्ग बंद होने पर जनता की चिंता के बीच मंडलायुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग ने सोमवार को कहा कि एलपीजी और डीजल का स्टॉक पर्याप्त है जबकि पेट्रोल की कमी है लेकिन दो दिनों के भीतर इसके फिर से भरने की उम्मीद है।

विशेष रूप से बात करते हुए अंशुल गर्ग ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर बहाली का काम दिन-रात चल रहा है और अधिकारियों को उम्मीद है कि यह अगले दो दिनों के भीतर पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि घाटी में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मुगल रोड को खुला रखा गया है।

उन्होंने जनता से शांत रहने और पेट्रोल पंपों पर जाने से बचने का आग्रह करते हुए कहा कि आवश्यक वस्तुओं का अच्छी तरह से स्टॉक किया गया है। डीजल और एलपीजी पर्याप्त हैं और वर्तमान में पेट्रोल की कमी है। लेकिन दो दिनों के भीतर फिर से भर दिया जाएगा।

राष्ट्र को विकास और प्रगति की राह पर आगे ले जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दें: उपमुख्यमंत्री

जम्मू 15 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री श्री सुरिंदर चौधरी ने इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), जम्मू लोकल सेंटर में आयोजित 58वें इंजीनियर्स डे समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव, इंजीनियर अनिल वर्मा, चेयरमैन इंजीनियर अवनीत गुप्ता, मानद सचिव आईईआई जम्मू लोकल सेंटर सहित विभिन्न विभागों और संस्थाओं से बड़ी संख्या में इंजीनियर मौजूद थे। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी महान विरासत को सम्मानित किया। उन्होंने इंजीनियरों से आह्वान किया कि वे सर विश्वेश्वरैया की असाधारण योग्यताओं को अपने दैनिक कार्यों में आत्मसात करें और ऐसे समाधान खोजें जो नवोन्मेषी, सतत् और प्रौद्योगिकी आधारित हों, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण किया जा सके।सर विश्वेश्वरैया की सादगी, ईमानदारी, दक्षता और अनुशासन जैसी विशेषताओं को रेखांकित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने युवा और कार्यरत इंजीनियरों से कहा कि वे समर्पण, उत्साह और परिश्रम से कार्य करें और वरिष्ठ इंजीनियरों से मार्गदर्शन लेने में संकोच न करें। उन्होंने आईईआई से अनुरोध किया कि वह नवोदित इंजीनियरों के लिए और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करे उन्होंने आगे कहा कि आने वाला दशक प्रौद्योगिकी आधारित होगा और इसमें इंजीनियरों व टेक्नोलॉजिस्ट्स के सतत योगदान आवश्यक होंगे।

महिलाओं

की इन बातों में दखलंदाजी पुरुषों को बिल्कुल नहीं पसंद

पुरुषों और महिलाओं का नेचर एक दुसरे से बिल्कुल डिफरेंट होता है। उनके सोचने, बात करने, उन्हें देखने से ही मिजाज का पता लग जाता है कि उनका मूड किस तरह का है। एक तरफ जहां उन्हें प्यार, सरप्राइज, फेवरेट डिश खिलाकर उनका दिल जीता जा सकता है वहीं दूसरी ओर उन पर बेवजह की रोक-टोक, शक, गुस्सा करके आप उनके गुस्से की वजह भी बन सकती हैं। आपकी ये बाते बेवजह कलेश का कारण बन सकती हैं इन सभी बातों के इलावा भी महिलाओं की कई एसी आदते होती हैं जो कि पुरूषों को बिल्कुल नहीं पसंद आतीं। एक्स से तुलना करना इस बात को हमेशा याद रखें कि आपके ब्वॉयफ्रेंड को आपके एक्स के बारे में जानने में कोई दिलचस्पी नहीं और न ही वो ये पसंद करेंगे कि आप हर चीज में उनकी तुलना अपने एक्स से करें। किसी दूसरे की तारीफ सुनना

महिलाएं अपने ब्वॉयफ्रेंड या पति से किसी दूसरी महिला के बारे में सुनना बिल्कुल भी पसंद नहीं करतीं जब तक वो उनकी कोई बहुत ही खास न हो।

लापरवाही करना

पुरुषों को महिलाओं की इस बात से सबसे ज्यादा उबन होती है। जब वो परेशान होती हैं, उनकी तबियत खराब होती है या कुछ कहने की कोशिश कर रही होती हैं लेकिन इस बारे में डायरेक्टली पूछने पर अक्सर वो 'नहीं, कुछ नहीं', ' मैं बिल्कुल ठीक हूं।' जैसे जवाब देकर टाल जाती हैं।

शादी और बच्चे की प्लानिंग

पुरुषों से एक ही सवाल बार-बार पूछना उनकी खीझ को बढ़ावा देता है। शादी और बच्चों के बारे में बातें करना उन्हें बिल्कुल भी पसंद नहीं होता। तो बेहतर होगा अगर आप किसी रिलेशनशिप में हैं तो इन टॉपिक्स को छेड़ने से पहले उनके मूड को भाप लें।

स्पेस छीनने की कोशिश

पुरुष रिलेशनशिप हो, शादी हो या बच्चों की जिम्मेदारी सबको एक साथ लेकर चलने के लिए उन्हें वक्त के साथ ही स्पेस चाहिए होता है जिसमें वो किसी की दखलंदाजी पसंद नहीं करते। इसलिए जब वो आराम से बैठे हो तो उन्हें परेशान न ही करना बेहतर होगा।

फैमिली को लेकर कमेंट

पुरुषों की गुड लिस्ट में शामिल होना है तो भूलकर भी उनकी मां, उनके भाई-बहन यहां तक कि उनके पेट्स को लेकर भी किसी तरह का कोई कमेंट न करें। उनके साथ जितना घुल-मिल कर रहने की कोशिश करेंगी उतना ही उन्हें अच्छा लगेगा।

कामकाजी महिलाओं का 'सपोर्ट सिस्टम'

लंच टाइम में विभा को चुप-चुप-सा देखकर सभी ने उसकी उदासी का कारण पूछा। विभा के घर में उसकी नौकरी को लेकर तनातनी चलती रहती थी। सास नहीं चाहती थी कि विभा नौकरी करे, मगर विभा अपनी योग्यता और अनुभव को यूँ ही नहीं बेकार जाने नहीं देना चाहती थी। सभी महिलाओं ने उसकी समस्या को सुना, समझा और जरा-सी देर में विभा के पास सुझावों का ढेर मौजूद था।

साथी महिलाओं की सलाह पर अमल कर विभा ने अपनी गलतियों को भी दुरुस्त किया और आखिरकार सासू माँ को मना ही लिया। अंजू को खाना बनाना नहीं आता था, और शादी हुई ऐसे व्यक्ति से, जो खाने का भयंकर शौकीन... अंजू की तो जान पर बन आई। उसने अपनी समस्या अपने दफ्तर की सहेलियों को बताई और चुटकी बजाते ही उसके पास हाजिर थीं ढेरों रेसिपीज...। यही नहीं, उसकी सहेलियों ने उसे घर बुलाकर कई डिशेज बनाना भी सिखाया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। सीमा की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बेटे को इंजीनियरिंग की कोचिंग करवाना चाहती थी, मगर रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। एक दिन परेशान हालत में उसके अपने दफ्तर में इसका उल्लेख किया और उसकी समस्या झट से सुलझ गई। उसकी सहेलियों ने उसके लिए रकम का इंतजाम कर दिया जिसे बाद में किस्तों में सीमा ने लौटा भी दिया।

तेजी से बदले आर्थिक समीकरणों ने नारी को दहलीज के बाहर कदम रखने को प्रेरित किया और घर के हर व्यवहार को चुस्त-दुरुस्त रखते हुए नारी ने बाहरी दुनिया के कार्य व्यवहार जमाने में भी उतनी ही दक्षता का परिचय दिया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। घर में कोई त्योहार हो तो विशेष पकवान केवल घर के लिए ही नहीं, दफ्तर के संगी-साथियों के लिए भी विशेष रूप से बनाए जाते हैं और उन्हें उसी स्नेह के साथ खिलाया भी जाता है।

दफ्तर में किसी एक की समस्या सारे समूह की समस्या बन जाती है और सारा समूह सिर जोड़कर उसे हल करने में जुट जाता है। कहा जाए तो पुरुषों की तुलना में नारी ने यहाँ भी अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। पुरुष स्वभावत: कम बोलने वाले और संकोची होते हैं। उस पर किसी को अपनी समस्याएँ बताना? उनका अहं हमेशा आड़े आ जाता है और सालों का साथ भी दफ्तर के कर्मचारियों में वह लगाव पैदा नहीं कर पाता।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो पुरुष अवसर का उपयोग नहीं कर पाते व समूह का फायदा भी नहीं ले पाते। बनिस्बत इसके नारी थोड़े-से ही समय में न केवल आपस में स्नेह बंधन बुन लेती है, वरन विविध दिमागों में तैरते विविध विचारों का फायदा भी उठा लेती है।

अक्सर यह सोचा जाता है कि जब ये महिलाएँ बातें करती हैं तो या तो वे घर-परिवार की बुराई करती हैं या फिर साड़ी-गहनों की बातें..., मगर यह बिलकुल गलत है...। एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पूनम बोली... यहाँ आकर मैंने कितनी ही नई बातें सीखीं। वे बातें आचार-व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक हर तरह की है। मैंने तो अपनी बीएड की डिग्री अपनी सहेलियों की मदद से ही ली है।

गर्भावस्था के दौरान खूब खाएं अखरोट, अनेको हैं फायदे

अखरोट ऊर्जा का बेहतर स्रोत है। साथ ही इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडेंट्स, ओमेगा -3 फैटी एसिड और विटामिन्स प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं जो मां और उसके अजन्मे बच्चे के लिए बहुत लाभकारी होता है।

गर्भवस्था के समय महिलाओं को अपने स्वास्थ का बहुत ध्यान रखना चाहिए, साथ ही अपने खान पान का भी। याद रहे जो आप खायेंगी वह सब आपके बच्चे तक पहुंचेगा। इसलिए अगर मां अच्छा और स्वास्थवर्धक भोजन खायेगी तो बच्चा भी अच्छे से बड़ा होगा।

गर्भवती महिलाओं के फैटी एसिड वाली चीज़ें जैसे कि अखरोट खाने से उनके होने वाले बच्चे को फूड एलर्जी का जोखिम कम होता है। इसे खाने से बच्चे की ग्रोथ के लिए आवश्यवक तत्व भी मिल जाते हैं।

आज हम आपको अखरोट की ऐसी ही कुछ खूबियां बताने जा रहें है:

उच्च रक्तचाप कम करता है

गर्भावस्था के दौरान अखरोट खाने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने से उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद मिलती है। यह शरीर में बुरे फैट को कम कर अच्छे फैट की मात्रा बढ़ता है।

बच्चे के सही विकास के लिए अखरोट में मौजूद कॉपर भ्रूण के सामान्य विकास के लिए आवश्यक है। अखरोट में मौजूद फैटी एसिड (अल्फा-लिनोलेनिक एसिड) बच्चे के दांतों और हड्डियों के विकास में मदद करता है।

मां की इम्युनिटी बढ़ाता है यह बहुत जरुरी है कि मां बनने वाली महिलाएं भी अपना ध्यान रखें। जिससे वो किसी भी इन्फेक्शन की शिकार ना हों, और इसके लिए उन्हें चाहिए कि उनकी इम्युनिटी मजबूत हो। अखरोट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई, पॉलीफिनॉल, और कॉपर यह होने वाली मां की इम्युनिटी बढाती है।

ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है अखरोट गर्भावस्था के दौरान शरीर के आंतरिक सूजन को कम करने में मदद करता है साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ता है। इससे बच्चे तक ज्यादा खून पहुचता है जिससे उसे मां के शरीर में ज्यादा ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुँचते हैं।

वजन को नियंत्रित करे अखरोट प्रोटीन और फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जिससे आप ज्यादा खाना नहीं खाती हैं। अखरोट खाने से आप जंक फूड खाने से दूर रहती हैं जिससे आप मधुमेह से भी बची रहती हैं।

अच्छी नींद के लिए गर्भावस्था के दौरान अखरोट खाने से आपको अच्छी नींद आएगी। अखरोट खाने से गर्भवती महिलाओं में मेलाटोनिन नाम का हार्मोन बनता है जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है।

मेहनत पहचान है मेरी

मध्यम वर्ग की कामकाजी महिलाएं अपना सपोर्ट सिस्टम बनाने के लिए कितना कुछ खर्च कर देती हैं। बच्चे के रखरखाव के लिए फुल टाइम मेड रखना बहुत मंहगा है। बच्चे को क्रेच छोड़ना भी अच्छी खासी मशक्कत है। उसे लाना ले जाना तो भारी पड़ता ही है। इस सेवा का भुगतान करना भी कोई कम मंहगा नहीं। उस पर ट्यूशन का भी खर्च है। इसके साथ ही कपड़ों की धुलाई, ट्रांसपोर्ट और अन्य ढेर सारे खर्चे ऐसे हैं जिन्हें महिलाएं घर में रहने पर बचा सकती हैं। फिर अपनी मेंटीनेंस भी तो है। बाहर निकलने के लिए अच्छे कपड़े, फुटवियर और कॉस्मेटिक्स भी चाहिए। जितनी तनख्वाह है कमोबेश बाहर आने की लागत में ही खर्च हो जाती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे अपनी भागदौड़ किसलिए बनाए हुए हैं? ऐसी कोई संतुष्टि तो है जो उन्हें इतना कुछ करने का हौसला देती है। दुनियाभर की मुश्किलों का सामना करने का साहस देती है।

बढ़ जाती है अहमियत

एक सैटिसफैक्शन है कि सोसाइटी को कुछ दे रहे हैं। बारह महीने में अगर 120 बच्चों को भी अच्छी तरह से पढ़ा दूं तो लगता है कि कुछ प्राप्त किया है। बेहतर समाज के निर्माण में कोई भूमिका निभाई है। कहती हैं अध्यापिका सरिता दास। वह ग्यारह साल तक हाउसवाइफ रहीं, सभी कुछ ठीक था, लेकिन अपनी पहचान बनाने और समाज को अपनी सेवाएं देने के उद्देश्य से उन्होंने आखिर जॉब करने की ठान ली। वह मानती हैं कि जब घर में थीं तब भी उनका खर्चा अच्छा चलता था और बाहर निकलने पर अब उनके खर्चे बढ़ गए हैं, लेकिन अपनी जिंदगी में आए बदलावों से वह खुश हैं। वह कहती हैं, मैंने देर से नौकरी शुरू की। जब बच्चा चार साल का हो गया तब। जॉब करने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी अहमियत बढ़ गई है।

समाज में हाउसवाइफ को इतनी इज्जत नहीं मिलती जितनी मिलनी चाहिए। दूसरे, अब मेरे पास गॉसिप्स के लिए टाइम ही नहीं है। घर में किचकिच, पति से आरग्यूमेंट और इनलॉज के साथ बहस करने का तो अब समय ही नहीं होता। काम करने का सैटिसफैक्शन भी है और घर में शांति का सुकून भी।

अपनी आइडेंटिटी के लिए

सरिता दास के बेटे ने फोटोग्राफी को अपना प्रोफेशन चुना है। बेटे के कैमरे और अन्य सामानों पर उन्हें लाखों खर्च करना पड़ा। इस खर्च को वह मैनेज कर पाई, कहीं से लोन नहीं लेना पड़ा, इसकी खुशी है उन्हें। बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलवाना हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है। आमतौर पर घर के लाइफस्टाइल में बदलाव लाने और बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाना भी महिलाओं की जॉब का सबब बनता है। इसके लिए उन्हें कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है, खर्चा भी बढ़ता है, लेकिन वे अपनी जॉब को रेगुलर रखती हैं। हां, जब उन्हें लगता है कि नन्हें बचे को उनकी ज्यादा जरूरत है तो वे ब्रेक लेने से भी परहेज नहीं करतीं। पुणे की एक कंपनी की रिक्रूटमेंट स्पेशलिस्ट ऋचा पटनायक कहती हैं, मुझे अपने छोटे बच्चे को क्रेच में छोड़ना पड़ता था। पास में कोई फैमिली मेंबर नहीं था उसकी देखभाल के लिए। बच्चे की मुश्किलें देखकर मुझे जॉब छोड़नी पड़ी, लेकिन घर पर मुझे अपनी जिंदगी अनार्थक लगने लगी। मुझे महसूस होने लगा कि ज्यादा अर्न करेंगे तभी तो ब%चे को अच्छी शिक्षा दिलवा सकेंगे। उन्हें अच्छे स्तर की परवरिश दे सकेंगे। जब दिल्ली से मम्मी मेरे पास रहने के लिए आ गई, तब फिर से मैने नौकरी जॉएन कर ली। नो डाउट मुश्किलें बहुत हैं, लेकिन अपनी आइडेंटिटी भी तो है, जो दिल को खुशी देती है।

आर्थिक आजादी है मुद्दा

आर्थिक आजादी की चाहत भी महिलाओं को घर से बाहर निकलकर नौकरी के विकल्प ढूंढने के लिए प्रेरित करती है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के मुताबिक शहरी महिलाओं की आमदनी में वृद्धि हुई है। यह तकरीबन दोगुनी हो गई है। रिसर्च के मुताबिक इस बदलाव का सीधा असर महिलाओं की हैसियत और घर के रखरखाव पर पड़ता दिख रहा है। महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती हैं। उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, जॉब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है। पहले हर छोटी से छोटी चीज के लिए पति से पैसे मांगने पड़ते थे। छोटी-छोटी बात के लिए भी पूछना पड़ता था। अब खुद भी खरीद सकती हूं। कुछ ऐसा ही ऋचा भी कहती हैं, खर्चे बढ़े हैं तो माइनस-प्लस करेंगे, लेकिन जॉब करते हैं तो हाथ खुला रहता है। जब मन करे तब जो चाहो खरीद लो।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

बाढ़ प्रभावित इलाकों में एनसी नेताओं का दौरा, लोगों ने सुनाई परेशानियाँ

जम्मू, 15 सितंबर (हि.स.)। लगातार 13वें दिन भी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) का जनसंपर्क अभियान जारी रहा।

सोमवार को एनसी नेता अंकुश अब्रोल, प्रांतीय संयुक्त सचिव, और डॉ. विकास शर्मा, कोऑर्डिनेटर व सचिव केंद्रीय जोनल, ने वार्ड नंबर 1, वार्ड नंबर 14, शेख नगर और भगवती नगर का दौरा किया। दौरे के दौरान स्थानीय निवासियों ने नेताओं को बाढ़ से हुए नुकसान के बारे में अवगत कराया। लोगों ने बताया कि जलभराव, संपत्ति की क्षति, बिजली और पेयजल आपूर्ति बाधित होने के साथ-साथ पानी के दूषित होने की समस्या अब भी बनी हुई है। कई परिवारों ने समय पर बहाली कार्य न होने पर चिंता जताई।

नेताओं ने आश्वासन दिया कि प्रभावित लोगों की समस्याएँ प्रशासन तक पहुँचाई जाएँगी। अंकुश अब्रोल ने कहा कि क्षेत्र में सिल्ट सफाई, जलनिकासी और बुनियादी सेवाओं की बहाली तत्काल की जानी चाहिए। वहीं, डॉ. विकास शर्मा ने चेताया कि जलभराव की स्थिति जारी रही तो जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। एनसी का यह जनसंपर्क अभियान बाढ़ के तुरंत बाद शुरू किया गया था और आने वाले दिनों में अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी जारी

बसोहली-बनी मार्ग पर शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक यातायात पर प्रतिबंध

कठुआ/बसोहली, 15 सितंबर । लगातार भारी वर्षा और भूस्खलन के कारण बसोहली-बनी मार्ग की पूरी लंबाई में ढीली चट्टानें और भारी पत्थर उभर आए हैं और कई स्थानों पर सड़क की चैड़ाई भी कम हो गई है, जिससे यह वाहनों की आवाजाही के लिए असुरक्षित हो गई है। जिसके लिए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट बसोहली पंकज भगोत्रा ने बसोहली-बनी मार्ग पर शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक यातायात पर प्रतिबंध का आदेश जारी किया है।

आदेश के अनुसार बसोहली-बनी सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी, जब तक कि निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा आपातकालीन स्थिति में अनुमति न दी जाए। कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के किसी भी तरह से प्रतिबंधित समय के दौरान उक्त सड़क पर वाहन नहीं चलाएगा। वहीं पुलिस और जीआरईएफ सहित संबंधित प्राधिकारी इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। इसका पालन न करने पर कानून के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। दरअसल जीआरईएफ अधिकारियों ने सूचित किया है कि लगातार वर्षा के कारण सड़क की सतह को भारी नुकसान हुआ है, विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन, दरारें और ढलान में दरारें आई हैं, और इलाके की नाजुक प्रकृति और खराब मौसम के कारण, चैबीसों घंटे मरम्मत कार्य के लिए लोगों और मशीनों को तैनात करना संभव नहीं है। जबकि देर शाम और रात के समय, खराब दृश्यता, गिरते मलबे और बारिश की अप्रत्याशित प्रकृति के कारण दुर्घटनाओं की संभावना कई गुना बढ़ जाती है, और दुर्घटना की स्थिति में, समय पर निकासी और बचाव संभव नहीं हो पाता है, जिससे मानव जीवन और सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो जाता है। चूँकि उपरोक्त परिस्थितियों के कारण, किसी भी प्रकार की जान-माल की हानि को रोकने के लिए विषम समय के दौरान वाहनों की आवाजाही पर तत्काल प्रतिबंध लगाकर जनता को इससे दूर रखना आवश्यक है।

प्रमुख सचिव संस्कृति ने के.एल. सहगल हॉल में हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन किया

जम्मू, 15 सितंबर (हि.स.)। प्रमुख सचिव, संस्कृति, बृज मोहन शर्मा ने आज यहाँ के.एल. सहगल हॉल में जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) द्वारा आयोजित उद्घाटन समारोह के दौरान 卐हिंदी पखवाड़ा卐 समारोह कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में लेखकों, विद्वानों, शिक्षाविदों और हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रशंसकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अपने संबोधन में बृज मोहन शर्मा ने अपनी पत्रिकाओं, पुस्तकों और अन्य प्रकाशनों के माध्यम से हिंदी भाषा और साहित्य के दस्तावेजीकरण और प्रचार में जेकेएएसीएल की भूमिका की सराहना की।

उन्होंने याद दिलाया कि 2020 में जम्मू-कश्मीर सरकार ने उर्दू, कश्मीरी, डोगरी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को भी आधिकारिक भाषाओं में से एक घोषित किया था।

एकता और पहचान के प्रतीक के रूप में हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रमुख सचिव ने घोषणा की कि युवा पीढ़ी को हिंदी, उर्दू और अन्य भाषाओं में लिखने का प्रशिक्षण देने के लिए जल्द ही एक सुलेख केंद्र स्थापित किया जाएगा जिससे जम्मू-कश्मीर के दृश्य कला परिदृश्य को समृद्ध किया जा सके।

उन्होंने हिंदी साहित्य के विकास में योगदान देने के लिए युवा लेखकों और विद्वानों के लिए मंच तैयार करने में जेकेएएसीएल जैसी संस्थाओं की जिम्मेदारी पर बल दिया।

इससे पहले अपने स्वागत भाषण में, जेकेएएसीएल की सचिव, हरविंदर कौर ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं और इसके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला यह याद करते हुए कि 14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर की अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ हिंदी को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए अकादमी के निरंतर प्रयासों को भी रेखांकित किया।

शैक्षणिक सत्र के एक भाग के रूप में, प्रो. चंचल डोगरा ने समकालीन विश्व में हिंदी की स्थिति, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और प्रशासन में इसकी प्रासंगिकता और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. निर्मल विनोद ने अपने शोध-पत्र में हिंदी की साहित्यिक परंपराओं पर प्रकाश डाला और आधुनिक रचनात्मक अभिव्यक्तियों को अपनाते हुए इसकी शास्त्रीय विरासत को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

।। ग़ज़ल ।।

उठा के नजरें आसमां देख लेते हैं हम।
हर सितम वक्त का सह लेते हैं हम।।
मसलाह सुनाना हर किसी को मुनासिब नहीं।
हर बात खुद को ही कह लेते हैं हम।।
ना समझना कभी तू तन्हा हमें।
साथ ख्यालों के तेरे रह लेते हैं हम।।
कर रखा है खुद को वक्त के हवाले।
दरिया ए वक्त में बह लेते हैं हम।।

-इकबाल खुल्लर
9419319489

राजपुरा में नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ, 20 लाख की लागत से होगा काम

जम्मू, 15 सितंबर (हि.स.)। जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 29, राजपुरा की गली नंबर 2 में सोमवार को नाले के निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। लगभग 20 लाख रुपये की लागत से शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट लंबे समय से स्थानीय निवासियों की मांग रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब जल निकासी व्यवस्था के कारण क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव और गंदगी की समस्या बनी हुई थी। नाले के निर्माण से अब लोगों को इस समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

उद्घाटन के अवसर पर जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करना प्राथमिकता है। इस मौके पर पूर्व पार्षद सुरिंदर चौधरी, मंडल अध्यक्ष कुशांत प्रजापति, जेएमसी के अभियंता रवि शर्मा, जूनियर इंजीनियर मुकेश गुप्ता सहित स्थानीय भाजपा पदाधिकारी भी उपस्थित थे। निवासियों ने नाले के निर्माण कार्य शुरू होने पर संतोष जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि इस परियोजना से स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी हालात में सुधार होगा। वहीं, स्थानीय नेतृत्व ने भी इस कदम को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया।

जाविद डार ने एनएच-44 की बहाली की स्थिति का लिया जायज़ा

श्रीनगर 15 सितंबर। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता एवं चुनाव विभाग के मंत्री जाविद अहमद डार ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 का व्यापक दौरा कर फल से लदे ट्रकों की आवाजाही की स्थिति का जायज़ा लिया और परिवहन से जुड़ी अवसंरचनात्मक चुनौतियों की समीक्षा की। मंत्री ने काज़ीगुंड में ट्रक चालकों, व्यापारियों और परिवहन अधिकारियों से सीधे बातचीत की और कहा कि किसानों और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए फल से लदे ट्रकों की आवाजाही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि देरी न हो। अपने दौरे के दौरान उन्होंने उधमपुर जिले में राजमार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों का निरीक्षण किया और मरम्मत कार्यों की प्रगति, साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की समीक्षा की ताकि यातायात सुचारु और सुरक्षित ढंग से संचालित हो सके। उधमपुर के डीआईजी श्रीधर पाटिल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री को बहाली कार्यों और यातायात निकासी की स्थिति के बारे में जानकारी दी, विशेषकर थरड बल्लि नाला खंड में जहां व्यापक क्षति हुई है। इस अवसर पर एसएसपी उधमपुर अमोद अशोक नागपुरे, एसएसपी ट्रैफिक आदिल हामिद और कई प्रमुख नागरिक भी मौजूद थे। दौरे से पूर्व मंत्री ने डीसी कार्यालय रामबन में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें डीडीसी चेयरपर्सन डॉ. शामशाद शान, विधायक बानिहाल सज्जाद शाहीन, विधायक अनंतनाग ईस्ट-शंगस रेयाज़ अहमद खान, विधायक अनंतनाग वेस्ट अब्दुल मजीद भट्ट, उपायुक्त रामबन मोहम्मद एलियास खान, एसएसपी रामबन अरुण गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने मंत्री को बताया कि जाम कम करने के लिए विशेषकर बनिहाल और नाशरी के बीच क्या उपाय किए गए हैं, साथ ही फंसे हुए चालकों और यात्रियों के लिए जिला प्रशासन, जम्मू-कश्मीर पुलिस और एनएचएआई द्वारा भोजन और सहायता सेवाओं की क्या व्यवस्थाएँ की गई हैं।

सीसीआई ने सड़कों और आवश्यक सेवाओं की जर्जर स्थिति पर चिंता जताई

जम्मू, 15 सितंबर (हि.स.)। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (सीसीआई) ने आज जम्मू क्षेत्र में सड़कों और आवश्यक सेवाओं की जर्जर स्थिति पर गंभीर चिंता जताई।

पदाधिकारियों की एक बैठक में सीसीआई अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने बुनियादी ढाँचे के संकट के स्थायी समाधान की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

अरुण गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग सहित लगभग सभी सड़कें, गलियाँ और जल निकासी व्यवस्था बदहाल स्थिति में हैं। अरुण गुप्ता ने कहा कि यह लगातार भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण है जिससे वाहनों और आम जनता की निर्बाध आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

उन्होंने गहरी खाइयों को भरने के सरकार के अस्थायी प्रयासों की सराहना की। हालाँकि उन्होंने चेतावनी दी कि यह लंबे समय तक नहीं चलेगा और अगली बारिश में बह जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को स्थायी समाधान खोजने के लिए स्थायी सुधारात्मक उपाय लागू करने चाहिए। अरुण गुप्ता ने यह भी बताया कि जम्मू और उसके आसपास जलापूर्ति एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि लोग बुरी तरह पीड़ित हैं। सीसीआई अध्यक्ष ने मांग की कि सरकार आम लोगों की कठिनाइयों को कम करने और सुधारने के लिए युद्ध स्तर पर आवश्यक कदम उठाए।

राजकीय शिक्षा महाविद्यालय जम्मू में हिंदी दिवस पर कविता पाठ व नारा लेखन कार्यक्रम

जम्मू, 15 सितंबर (हि.स.)। राजकीय शिक्षा महाविद्यालय जम्मू के हिंदी विभाग ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और नारा लेखन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. सतीश शर्मा ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। अंग्रेज़ी विभागाध्यक्ष डॉ. शालिनी राणा ने कहा कि हिंदी दिवस सभी भाषाओं के प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण है। उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. सूरज प्रकाश ने हिंदी और उर्दू को गंगा-जमुनी तहज़ीब का प्रतीक बताया। चार वर्षीय समेकित बी.ए. बी.एड. के संयोजक डॉ. राकेश भारती ने हिंदी भाषा व साहित्य में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। वहीं प्रो. बलवान सिंह ने हिंदी को भारतीय समाज की आत्मा बताते हुए इसके प्रयोग पर बल दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ज्योति परिहार ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि हमें हिंदी को ज्ञान-विज्ञान और तकनीक की भाषा बनाने का प्रयास करना चाहिए।

एनआईटी श्रीनगर ने उत्साहपूर्वक हिंदी दिवस मनाया

श्रीनगर, 15 सितंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने सोमवार को उस ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए हिंदी दिवस मनाया जब भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह कार्यक्रम राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा समारोह का हिस्सा था जिसमें 28 सितंबर तक कई गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इस समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे जिनमें केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व प्रमुख प्रो. मोहम्मद नूर सलाम खान; सहायक रजिस्ट्रार (प्रशासन) मुबाशिर अहमद वानी; सहायक रजिस्ट्रार (शैक्षणिक) और राजभाषा प्रकोष्ठ के हिंदी शिक्षण, प्रशिक्षण पर्यवेक्षक मोहम्मद इकबाल डार; प्रभारी हिंदी अधिकारी और सहायक प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग डॉ. आर.पीएनआईटी श्रीनगर ने उत्साहपूर्वक हिंदी दिवस मनाया, 29 सितंबर तक जारी रहेगा

सकीना इत्तू ने जी.डी.सी. श्रीनगर में चार दिवसीय ओरल हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम, ब्राइट स्माइल्स, हेल्दी लाइव्स का उद्घाटन किया

श्रीनगर 15 सितंबर। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री श्रीमती सकीना इत्तू ने सरकारी डेंटल कॉलेज श्रीनगर में चार दिवसीय ओरल हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम . ब्राइट स्माइल्स, हेल्दी लाइव्स का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम जी.डी.सी. श्रीनगर के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य मौखिक स्वच्छता, दंत रोगों की रोकथाम तथा मानसिक व शारीरिक स्वस्थता में मौखिक स्वास्थ्य की महत्ता पर जागरूकता बढ़ाना है।

उद्घाटन समारोह के दौरान अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अक्सर ओरल हेल्थ की अनदेखी की जाती है, जबकि यह मधुमेह, हृदय रोग और श्वसन संक्रमण जैसी प्रणालीगत बीमारियों की रोकथाम में प्रमुख भूमिका निभाती है। मंत्री ने कहा, ओरल हेल्थ केवल चमकती मुस्कान का विषय नहीं, बल्कि यह हर नागरिक के समग्र स्वास्थ्य का अभिन्न हिस्सा है। हाल के वर्षों में विशेष रूप से युवाओं के लिए दंत स्वच्छता की आदतें और नियमित जांच एक आवश्यक दिनचर्या बनती जा रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नियमित मौखिक स्वच्छता अपनाएँ और दंत परामर्श को स्वास्थ्य देखभाल का अनिवार्य हिस्सा बनाएँ। मंत्री ने यह भी बताया कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार, जम्मू-कश्मीर के हर हिस्से में चिकित्सा अवसंरचना को सु.ढ़ करने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी उप-जिला अस्पतालों में डायलिसिस केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहीं, विभिन्न जी.एम.सी और अस्पतालों में एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं ताकि जनता को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकें। अपने संबोधन में मंत्री ने जी.डी.सी. श्रीनगर प्रशासन से आग्रह किया कि वे ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में शिविरों के माध्यम से ओरल हेल्थ एंड हाइजीन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाएँ, ताकि वहां रहने वाले लोग दंत स्वास्थ्य और उससे जुड़ी जीवन शैली की महत्ता को समझ सकें। चिकित्सक समुदाय की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि डॉक्टर होना केवल सफेद कोट और गले में स्टेथोस्कोप पहनना भर नहीं है, बल्कि सभी के लिए समान उपचार की भावना के साथ आम लोगों की भलाई के प्रति समर्पित रहना है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सरकारी स्कूलों में समान अवसरों पर जोर दिया

श्रीनगर 15 सितंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार की यह ज़िम्मेदारी है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को वही सुविधाएँ और अवसर उपलब्ध हों जो निजी संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को मिलते हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली पब्लिक स्कूल श्रीनगर द्वारा आयोजित टेक्नो-2025 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, मैं चाहता हूँ कि ऐसे आयोजनों में सरकारी स्कूलों की और अधिक भागीदारी हो। अंततः हमारी ज़िम्मेदारी है कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को निजी स्कूलों जैसी सुविधाएँ और अवसर प्राप्त हों। उन्हें केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के बच्चों से प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना होगा। दो दिवसीय इस आयोजन में घाटी के कई स्कूलों के छात्रों, शिक्षकों और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यमंत्री ने छात्रों की रचनात्मकता, विशेषकर उनके ह्यूमनॉइड रोबोट की सराहना की और सरकार की आधुनिक शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जानकारी और नवाचार आधारित शिक्षण व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर डीपीएस श्रीनगर के अध्यक्ष विजय धर, प्रिंसिपल शफक अफशां, वाइस-प्रिंसिपल, छात्र-छात्राएँ और स्टाफ भी उपस्थित रहे। तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, उनके स्कूल के दिनों की तुलना में काफी विकसित हो चुकी है। उन्होंने यह उदाहरण दिया कि अल्बानिया ने हाल ही में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित इकाई को मंत्री नियुक्त किया है, जो दिखाता है कि एआई किस तरह संसार को बदल रहा है। उन्होंने कहा, यह हमें दिखाता है कि तकनीक कितनी तेज़ी से आगे बढ़ रही है। आज जिन क्षेत्रों में कभी युवा स्नातकों को रोजगार मिलता था, जैसे बीपीओ और डाटा प्रबंधन, वहाँ अब एआई सिस्टम का उपयोग हो रहा है।

कश्मीर घाटी फल उत्पादक एवं विक्रेता संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

श्रीनगर 15 सितंबर। कश्मीर घाटी फल उत्पादक एवं विक्रेता संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर के नेतृत्व में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बड़गाम से आदर्श नगर, नई दिल्ली तक नई पार्सल ट्रेन चलाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने घाटी के फल उत्पादकों और व्यापारियों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों को भी उठाया, जिनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर फलों से लदे ट्रकों और मुगल रोड पर 10 टायर वाले ट्रकों की सुचारू आवाजाही शामिल है। उपराज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि फल उत्पादकों और व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग की पूर्ण बहाली के लिए कर्मचारी और मशीनरी तैनात कर दी गई है और फंसे हुए फलों से लदे वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि घाटी के विभिन्न हिस्सों के फल उत्पादकों और व्यापारियों की सुविधा के लिए रेलवे माल टर्मिनल स्थापित किए जाएँगे। बैठक के दौरान उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी भी उपस्थित थे।

जीडीसी बनी ने देशभक्ति की भावना के साथ मनाया हिंदी दिवस, राजभाषा के रूप में मान्यता की मांग

कठुआ/बनी, 15 सितंबर (हि.स.)। जीडीसी बनी के हिंदी विभाग ने 15 सितंबर को हिंदी दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया ताकि हिंदी को हमारी राजभाषा के रूप में मान्यता दी जा सके और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दिया जा सके।

कार्यक्रम की शुरुआत एक गर्मजोशी भरे स्वागत और उद्घाटन भाषण के साथ हुई जिसमें राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला गया। भाषण प्रतियोगिता, कविता पाठ, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी भाषा की सुंदरता और बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया गया। छात्रों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और समकालीन भारत में हिंदी की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए और वैश्वीकरण के युग में हमारी राष्ट्रभाषा के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। प्रख्यात वक्ताओं ने भी सभा को संबोधित किया और प्रशासन, शिक्षा, साहित्य और दैनिक संचार में हिंदी की प्रासंगिकता पर अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किए। कार्यक्रम का समापन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. निशा देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और शैक्षणिक, आधिकारिक और सामाजिक क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करके इसकी गरिमा को बनाए रखने की शपथ के साथ हुआ।

संपादकीय

प्रदूषणकारी भट्ठों पर प्रतिबंध

यह अच्छी बात है कि श्रीनगर हवाई अड्डे (8 किलोमीटर के दायरे) के आसपास के गैर-लाइसेंस प्राप्त ईंट भट्ठों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, क्योंकि इन भट्ठों से निकलने वाले धुएँ से न केवल हवाई यातायात बाधित होता था, बल्कि वायु गुणवत्ता भी खराब होती थी। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा आदेश दिया गया हो, क्योंकि 2019 में भी न्यायालय ने श्रीनगर हवाई अड्डे के आसपास के ईंट भट्ठों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया था। समस्या की गंभीरता को देखते हुए, न केवल श्रीनगर में, बल्कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश में ईंट भट्ठों के संचालन को विनियमित करने की सख्त आवश्यकता है, क्योंकि दुर्भाग्य से, ये जलवायु परिवर्तन में प्रमुख योगदानकर्ता हैं और ष्टह्व2 उत्सर्जन, ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन और अल्पकालिक जलवायु प्रदूषकों का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में संचालित पुराने और अत्यधिक प्रदूषणकारी ईंट भट्ठों द्वारा पर्यावरण पर पड़ रहे हानिकारक प्रभावों को रोकने की सख्त ज़रूरत है क्योंकि इन इकाइयों से कभी-कभार धुआँ निकलता देखा जा सकता है जो इन इकाइयों को चलाने वालों की ओर से बिना किसी बाधा या अपराधबोध के वातावरण में प्रदूषकों की वृद्धि की घिनौनी कहानी कहता है। ईंटें सबसे पुरानी और सबसे ज़्यादा इस्तेमाल की जाने वाली निर्माण सामग्री हैं। ईंट मिट्टी तक आसान पहुँच और सरल निर्माण प्रक्रिया के बावजूद, ईंट निर्माण को प्रमुख प्रदूषक उत्पादक माना जाता है जो कणिका तत्व उत्पन्न करके आसपास के क्षेत्र को और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करके पर्यावरण को प्रभावित कर रहे हैं। किसी विशेष क्षेत्र में ईंट भट्ठों के संचालन को अस्थायी रूप से बंद करने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा क्योंकि इन धुआँ छोड़ने वाली इकाइयों का मामला बेहद गंभीर है और यही कारण है कि एक स्थायी समाधान पर विचार किया जाना चाहिए ताकि ईंट भट्ठे हानिकारक धुआँ छोड़े बिना अपना संचालन जारी रख सकें। तकनीक का सही दिशा में उपयोग करके इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, इसलिए सरकार को इस पहलू पर विचार करना चाहिए, न कि ऐसे अस्थायी कदम उठाने चाहिए जो दीर्घकालिक और व्यावहारिक न हों। चूँकि ईंट भट्ठा उद्योग से पहल की उम्मीद नहीं की जाती है, इसलिए सरकार को उन्हें तकनीकी रूप से व्यवहार्य समाधान प्रस्तुत करने में मदद करनी चाहिए जिससे ईंट निर्माण तो हो सके, लेकिन इन इकाइयों से निकलने वाले हानिकारक धुएँ को रोका जा सके, जो बिना उपचारित और अपरिष्कृत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्य के अनुरूप शासन के लिए कर्मचारी से कर्मयोगी तक का खाका तैयार किया

आर. बालसुब्रमण्यम

उन्होंने नेतृत्व की आदतों को संरचनाओं में भी ढाला। जो चिंतन शिविर—आवासीय, पदानुक्रम-समतल विचार-मंथन सत्र—गुजरात में शुरू किए गए थे वे अब केंद्र सरकार की कार्यपुस्तिका का हिस्सा हैं। निरंतर सीखने पर उनका बल व्यक्तिगत है। अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विस्तार करने के अलावा, वे यह भी जांचने के लिए जाने जाते हैं कि क्या प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी आईजीओटी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते हैं। संस्थागत स्मृति के साथ उनके व्यवहार में बहुत समावेशीता है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, उन्होंने मंत्रियों से दशकों तक एक तरह से व्यवस्था से भली-भांति परिचित अपने सहायकों और अनुभाग अधिकारियों से सीखने का आग्रह किया। व्यवहार में संस्कृति परिवर्तन ऐसा ही दिखाई देता है।

देश लोक प्रशासन में सुधार के अभूतपूर्व प्रयास कर रहा है। अब न केवल अधिकारियों के प्रशिक्षण के तरीके बदल रहे हैं, बल्कि उनकी सेवा के मायनों में भी बदलाव आ रहा है। मिशन कर्मयोगी—लोक सेवा क्षमता निर्माण का राष्ट्रीय कार्यक्रम है और इस बदलाव में इंजन की भूमिका निभा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच झलकती है। 25 वर्षों से अधिक समय तक सरकार चलाने और पांच दशकों से अधिक सार्वजनिक जीवन का अनुभव रखने वाले श्री मोदी, व्यवस्थाओं के प्रति एक संचालक जैसी समझ, जड़ आदतों के प्रति एक सुधारक जैसी अधीरता, और ध्रुव तारे की तरह स्पष्ट —नागरिक-प्रथम, विकसित भारत के उद्देश्य को सामने रखते हैं।

मिशन कर्मयोगी की खासियत यह है कि यह केवल दिखावे भर के लिये मानव संसाधन सुधार नहीं है। यह देश की लोक सेवाओं की मूल्य-आधारित परिवर्तनकारी पुनर्रचना है और इसका मुख्य ध्यान प्रदर्शन पर है। यह कार्यक्रम तीन निर्णायक बदलावों को संहिताबद्ध करता है- पहला बदलाव सरकारी अधिकारियों की मानसिकता में बदलाव है, यानी स्वयं को कर्मचारी मानने से लेकर कर्मयोगी मानने तक का सफर है। दूसरा बदलाव कार्यस्थल में बदलाव है, इसमें प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी सौंपने से लेकर प्रणालीगत प्रदर्शन बाधाओं का निदान और उन्हें दूर करने तक का बदलाव शामिल है। तीसरा बदलाव सार्वजनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली और उससे जुड़ी क्षमता निर्माण प्रणाली को नियम-आधारित से भूमिका-आधारित बनाना है। यह संरचना स्पष्ट रूप से मोदी के इक्कीसवीं सदी के शासन की मांगों के दूरदर्शी ढांचे से उभर कर सामने आयी है।

यह जीवंत नेतृत्व का परिणाम है। मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में, मोदी ने एक समग्र सरकारी संस्कृति को बढ़ावा दिया—अलग-अलग क्षेत्रों में अलगाव को खत्म किया, मंत्रियों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बहस पर बल दिया, और फाइलों को आगे बढ़ाने की बजाय सिस्टम समाधानों को प्राथमिकता दी। यह भावना महामारी के दौरान दिखाई दी, जब सरकार, उद्योग, नागरिक समाज और नागरिक स्वयंसेवकों के सभी स्तरों पर टीम इंडिया एक साझेदारी मॉडल के रूप में आगे बढ़ी। यही सहयोगात्मक शक्ति अब जीईएम और गतिशक्ति जैसे सुधारों को संस्थागत रूप दे रही है।

उन्होंने नेतृत्व की आदतों को संरचनाओं में भी ढाला। जो चिंतन शिविर—आवासीय, पदानुक्रम-समतल विचार-मंथन सत्र—गुजरात में शुरू किए गए थे वे अब केंद्र सरकार की कार्यपुस्तिका का हिस्सा हैं। निरंतर सीखने पर उनका बल व्यक्तिगत है। अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विस्तार करने के अलावा, वे यह भी जांचने के लिए जाने जाते हैं कि क्या प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी आईजीओटी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते हैं। संस्थागत स्मृति के साथ उनके व्यवहार में बहुत समावेशीता है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, उन्होंने मंत्रियों से दशकों तक एक तरह से व्यवस्था से भली-भांति परिचित अपने सहायकों और अनुभाग अधिकारियों से सीखने का आग्रह किया। व्यवहार में संस्कृति परिवर्तन ऐसा ही दिखाई देता है।

जमीनी स्तर पर, सुधार की रीढ़ उद्देश्यपूर्ण तकनीक है। आईजीओटी - कर्मयोगी प्लेटफ़ॉर्म एक व्यापक, कभी भी और कहीं भी सीखने का ईको सिस्टम है। इसमें 3,000 से ज़्यादा स्व-प्रगति पाठ्यक्रम हैं जो सभी के लिए सुलभ हैं और सीखने को लोकतंत्रात्मक बनाते हैं। यह सीखने को मानव संसाधन कार्यों जैसे योग्यता मानचित्रण, करियर नियोजन और मार्गदर्शन से जोड़ता है—देश को प्रदर्शन पुलिसिंग से सक्षम क्षमता की ओर ले जाता है। यह पहले से ही बड़े पैमाने पर शक्ति प्रदान कर रहा है। लाखों अधिकारियों को नए कानूनी ढांचों के अनुरूप प्रशिक्षित किया गया है; देश भर में लाखों पुलिस, डॉक्टर और अन्य कर्मचारी नागरिक संपर्क को मजबूत कर रहे हैं और सेवाभाव कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं; और बड़ी संख्या में लोग एआई और आईओटी जैसी उभरती तकनीकों में प्रमाणपत्र प्राप्त कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री की फ़तकनीक-अनुकूलफ़ प्राथमिकता संस्थागत ताकत में परिवर्तित हो चुकी है।

दार्शनिक सार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मिशन कर्मयोगी प्राचीन सभ्यतागत ज्ञान को आधुनिक शासन-कला के साथ जोड़ता है—विकास, गर्व, कर्तव्य और एकता जैसे संकल्पों के साथ-साथ स्वाध्याय, सहकार्यता, राजकर्म और स्वधर्म (नागरिकों पर ध्यान) जैसे व्यक्तिगत गुणों को भी समाहित करता है। यह कोई पुरानी यादें नहीं हैं; यह उच्च तकनीक युग के लिए एक व्यावहारिक नैतिकता है, जो यह सुनिश्चित करती है कि योग्यता चरित्र में समाहित हो।

नागरिक-केंद्रितता—जनभागीदारी—दूसरा स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार इस बात पर ज़ोर देते रहे हैं कि प्रत्येक सार्वजनिक निर्णय के केंद्र में नागरिक होने चाहिए। यही उनका शासन मंत्र है। व्यवहार में नागरिक सहभागिता दोतरफा समझौता बन जाती है। नीति और क्रियान्वयन में लोगों की भागीदारी होती है और अधिकारी अंतिम छोर पर खड़े अंतिम नागरिक की सेवा के लिए तैयार होते हैं। मिशन कर्मयोगी इस समझौते के लिए मानसिकता और तरीके विकसित करने का राज्य का साधन है।

आत्मनिर्भरता इसकी पूरक है। यह एकाकीपन नहीं है; यह खुलेपन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से प्रेरित क्षमता और आत्मविश्वास है।

यही दृष्टिकोण क्षमता निर्माण के प्रयासों और माईगव जैसे प्लेटफ़ॉर्म के व्यापक प्रसार में भी दिखाई देता है, जो नागरिकों को निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं, बल्कि सह-निर्माता बनाता है। यह कथा भारत के सभ्यतागत लोकाचार में निहित है—और संस्थानों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में फलने-फूलने के लिए तैयार करती है।

कार्यक्रम की संस्थागत संरचना प्रधानमंत्री मोदी की व्यावहारिकता को दर्शाती है। डिजिटल आधार और बाज़ार को आगे बढ़ाने के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन, कर्मयोगी भारत, समन्वय के लिए एक मंत्रीमंडल सचिवालय इकाई; संरक्षक और मानक-निर्धारक के रूप में क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी); और शीर्ष-स्तरीय संचालन के लिए प्रधानमंत्री ने मानव संसाधन परिषद का नेतृत्व किया । इसकी संरचना सहयोगात्मक, लेखा-परीक्षण योग्य और परिणाम-उन्मुख है—एक ऐसा शासन ढांचा जो कहीं से भी काम करने वाले देश के लिए उपयुक्त है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत जो सीखता है उसे संचित नहीं कर रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के अनुरूप, देश अपने ज्ञान, अनुभव और उपकरणों को साझा करने की तैयारी कर रहा है। इन्हें लोक प्रशासन में एक आदर्श के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण है, वहां तकनीकी व्यवधानों के बीच देशों को समान क्षमता की कमी का सामना करना पड़ रहा है। मॉरीशस को इस दिशा में पहले ही सहायता की पेशकश की जा चुकी है—यह एक प्रारंभिक संकेत है कि मिशन कर्मयोगी विकासशील लोकतंत्रों में एक अभ्यास समुदाय का निर्माण कर सकता है।

सीधे शब्दों में कहें तो, मिशन कर्मयोगी एक दूरदर्शी विचार को एक व्यवस्था में बदल देता है। यह प्रधानमंत्री मोदी के शासन के लंबे दायरे—उनकी सीमाओं को तोड़ने की सहज प्रवृत्ति, तकनीक के साथ उनका सहज व्यवहार, संस्थागत स्मृति के प्रति उनके सम्मान और उनकी नैतिक शब्दावली—को एक दोहराए जाने योग्य संचालन मॉडल में बदल देता है- भूमिका-आधारित मानव संसाधन; निरंतर, डिजिटल शिक्षा; नागरिक भागीदारी; और सभ्यता पर आधारित नैतिकता इसमें समाहित हैं। इस तरह आप किसी देश को भविष्य के लिए तैयार करते हैं।

अगर भारत इसी राह पर चलता रहा, तो इसका फ़ायदा सिर्फ़ तेज़ गति से आगे बढने वाली काम की फ़ाइलों और व्यवस्थित संगठनात्मक चार्ट में ही नहीं, बल्कि भरोसे में भी दिखेगा। नागरिक एक ऐसी सरकार का अनुभव करेंगे जो सुनती है, सीखती है और काम करती है। यही प्रधानमंत्री मोदी के दांव का मूल है। और यही वजह है कि मिशन कर्मयोगी, हाल के दशकों के किसी भी प्रशासनिक सुधार से ज़्यादा, अपने असली रूप में देखा जाना चाहिए। यह लोगों की सेवा करने वाले लोगों में एक पीढ़ीगत निवेश है और इसे एक ऐसे नेता ने तैयार किया है जिसने अपना जीवन लोगों की सेवा में ही लगा दिया है।

डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के मानव संसाधन सदस्य हैं।

पंख लगाकर उड़ी हिन्दी

हृदयनारायण दीक्षित

भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी ऐबिस सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। विलियम जोन्स ने कहा कि, संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता। संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन कैसे हो?

सभ्यता, संस्कृति, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है, इन सबकी आदि भाषा है संस्कृत। यूरोपीय विद्वान एच. एस. मेन ने लिखा था, बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। अरब चिकित्सा पद्धति संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद है, यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी। विलियम हंटर ने लिखा था, पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था।

पाणिनि का व्याकरण संसार में सर्वोच है। मैक्समूलर ने लिखा, भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचारों मात्र पर पालित पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक दरअसल सचे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं।

गांधी ने लिखा, पृथ्वी पर हिंदुस्तान ही एक ऐसा देश है जहां मां-बाप अपने बचों को अपनी मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना लिखाना पसंद करेंगे। अंग्रेजी को विश्व भाषा बताया जाता है लेकिन जापान, रूस और चीन आदि अनेक देशों में अंग्रेजी की कोई हैसियत नहीं है। भारत की संविधान सभा (14 सितंबर 1949) ने हिन्दी को राजभाषा बनाया, 15 वर्ष तक अंग्रेजी में राजकाज चलाने का परंतु जोड़ा। पंडित नेहरू ने कहा, हमने अंग्रेजी इस कारण स्वीकार की, कि वह विजेता की भाषा थी, अंग्रेजी कितनी ही अछी हो किन्तु इसे हम सहन नहीं कर सकते।

एन. जी. आयंगर ने सभा में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखते हुए 15 बरस तक अंग्रेजी को जारी रखने का कारण बताया, हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। यद्यपि सरकारी प्रयोजनों के लिए हमने हिन्दी को अभिज्ञात किया फिर भी हमें यह मानना चाहिए कि आज वह समुन्नत भाषा नहीं है। सेठ गोविंद दास ने हिन्दी की पैरोकारी की, इस देश में हजारों वर्ष से एक संस्कृति है। यहां एक भाषा और एक लिपि ही होनी चाहिए। आर. वी. धुलेकर ने कहा, मैं कहता हूं कि वह राजभाषा है, राष्ट्रभाषा है। हिन्दी के राष्ट्रभाषा-राजभाषा हो जाने के बाद संस्कृत विश्व भाषा बनेगी। अंग्रेजी के नाम 15 वर्ष का पट्टा लिखने से राष्ट्र का हित साधन नहीं होगा। (संविधान सभा बहस 13-9-1949) संविधान में तीन दिन तक बहस हुई। संविधान के अनुछेद (343-1) में हिन्दी राजभाषा बनी। किंतु अनुछेद (343-2) में अंग्रेजी जारी रखने का प्रावधान हुआ। हिन्दी के लिए आयोग-समिति बनाने की व्यवस्था हुई। हिन्दी के विकास की जिम्मेदारी (अनुछेद 351) केन्द्र पर डाली गई।

लेकिन कांग्रेस अपने जन्म काल से ही अंग्रेजी को वरीयता देती रही, गांधी जी ने कहा, अंग्रेजी ने हिन्दुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं। (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) भारतीय संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिन्दी है। हिल्दी के पास प्राचीन संस्कृति और परंपरा की सुदीर्घ विरासत है। हिन्दी ने संस्कृत सहित सभी भारतीय भाषाओं बोलियों से शब्द लिए। सबको अर्थ दिए।

हिन्दी दिवस की रस्म अदायगी होती रही है। वह राजभाषा है। लेकिन फारसी, अंग्रेजी की तरह उसे राय आश्रय नहीं मिला। फारसी मध्यकाल के बादशाहों ने थोपी थी, अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी लाई। हिन्दी का विस्तार राय आश्रय से नहीं हुआ। भारत में विश्व के चार भाषा परिवार-भारोपीय, द्रविड़ कौल और कीरत हैं। इन भाषाओं के बोलने वालों के बीच सांस्कृतिक समानताएं थीं-हैं। शिक्षा का माध्यम संस्कृत थी। बाद की सभी भाषाओं-बोलियां में संस्कृत और संस्कृति का प्रदाय था।

राष्ट्र का अभ्युदय और आत्मज्ञान इस शिक्षा का लक्ष्य था। दसवीं शताब्दी तक संस्कृत और उसकी प्राकृत भाषा ही शिक्षा, इतिहास, भौतिकी और परा विज्ञान का माध्यम थी। संस्कृत और संस्कृति से विकसित पाली, मगधी, प्राकृत, अपभ्रंश और अंततः हिन्दी ने ही भारत को एक सांस्कृतिक क्षेत्र बनाया।

मोदी का शासन- गुजरात मॉडल से भारतीय मॉडल तक

मनसुख एल मांडविया

लंबे समय तक भारत के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने वाले बहुत ही कम नेताओं ने किसी राज्य में मुख्यमंत्री का दायित्व भी संभाला है। देश के ज्यादातर प्रधानमंत्री 'राष्ट्रीय' स्तर के नेता रहे हैं और उनके पास संघीय स्तर पर काम करने का अनुभव बहुत ही कम रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इसके चंद अपवादों में से एक हैं। जब श्री नरेन्द्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बने, तो वे अपने साथ गुजरात में एक दशक के राज्य-स्तरीय शासन से विकसित हुए कामकाज के एक नए दर्शन को लेकर आए। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने इस बात को बारीकी से देखा कि योजनाएं अंतिम छोर पर क्यों विफल या सफल होती हैं और फिर एक ऐसे दृष्टिकोण को परिष्कृत किया जिसने उन्हें शासन के केन्द्र में महज नीति-निर्माण के बजाय क्रियान्वयन को रखने वाला पहला प्रधानमंत्री बनाया। बिजली से लेकर बैंकिंग और कल्याण से लेकर बुनियादी ढांचे के मामले में, इस दर्शन ने तब से आज तक भारतीय राज्य द्वारा अपने नागरिकों की सेवा करने के तरीके को नए सिरे से परिभाषित किया है। अनुभव के आधार पर विकसित क्रियान्वयन नीतिगत केन्द्रबिंदु के रूप में क्रियान्वयन में श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ विश्वास को, बिजली क्षेत्र से संबंधित उनके दृष्टिकोण में देखा जा सकता है। गुजरात में, उन्होंने देखा कि गांवों में खंभे और लाइनें तो हैं, लेकिन वास्तव में बिजली नदारद है। इसका समाधान उन्होंने ज्योतिग्राम योजना के रूप में निकाला, जिसके तहत फीडरों को अलग किया गया ताकि घरों को 24 घंटे बिजली मिल सके और खेतों को बिजली का एक निश्चित हिस्सा मिल सके। प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के जरिए इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया। इस योजना के जरिए 18,374 गांवों को भरोसेमंद तरीके से बिजली उपलब्ध कराई गई। वर्ष 2023 तक आते - आते, बिजली की यही आपूर्ति सामूहिक रूप से 11 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 29 प्रतिशत का योगदान करने वाले देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की रीढ़ बन गई। बैंकिंग क्षेत्र में भी इसी सिद्धांत को फिर से दोहराया गया। कागजों में तो ग्रामीण परिवारों के बैंक में खाते थे, लेकिन व्यवहार में वे निष्क्रिय थे। जन-धन ने इस स्थिति को बदल दिया। आधार और मोबाइल फोन को व्यक्तिगत बैंक खातों से जोड़कर, एक कमजोर पड़ी व्यवस्था को सीधे धन हस्तांतरण की बुनियाद बना दिया गया। इससे धन बिना किसी बिचौलिए के नागरिकों के हाथों में पहुंचा, बर्बादी पर लगाम लगी और सरकारी खजाने को भारी रकम की बचत हुई। इसके बाद आवास क्षेत्र की बारी आई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने भुगतान को निर्माण कार्यों से जोड़ा, उनकी निगरानी के लिए जियो-टैगिंग का इस्तेमाल किया और बेहतर डिजाइन पर जोर दिया। पिछली सरकारों के अधूरे घरों के उद्घाटन के चलन को पलटते हुए, पहली बार लाभार्थियों को पूरी तरह निर्मित और रहने लायक घर मिले। फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में संघीय प्रणाली गुजरात ने श्री नरेन्द्र मोदी को यह भी दिखाया कि प्रगति किस प्रकार केन्द्र और राज्य के बीच समन्वय पर निर्भर करती है। राष्ट्रीय स्तर पर, यह सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघवाद का दर्शन बन गया। दशकों से अटके पड़े वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को राज्यों के साथ आम सहमति बनाकर पारित किया गया। जीएसटी परिषद ने राजकोषीय संवाद को संस्थागत रूप दिया और एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया। इसके अलावा, उन्होंने राज्यों को हस्तांतरित किए जाने वाले केन्द्रीय करों का हिस्सा बढ़ाया। इससे राज्यों को अपनी प्राथमिकताएं तय करने में ज्यादा वित्तीय गुंजाइश एवं स्वायत्तता मिली। साथ ही, उन्होंने व्यापार में सुगमता के आधार पर राज्यों की रैंकिंग करके और सुधारों को पुरस्कृत करके प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा दिया। इन बदलावों ने राज्यों को न सिर्फ धन प्राप्त करने वाले के रूप में, बल्कि भारत की विकास गाथा में हितधारक के रूप में भी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। बुनियादी ढांचे के मामले में, गुजरात के बीआईएसएजी मानचित्रण से संबंधित प्रयोगों को पीएम गति शक्ति के रूप में विस्तारित किया गया, जहां 16 मंत्रालय और सभी राज्य अब एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 1,400 परियोजनाओं की योजना बना रहे हैं। इससे अनुमोदन में लगने वाले समय में कमी आ रही है और क्रियान्वयन में सामंजस्य स्थापित हो रहा है। उत्पादकता के रूप में कल्याण श्री नरेन्द्र मोदी के लिए, कल्याणकारी योजनाएं हमेशा उत्पादकता से जुड़ा निवेश रही हैं जिनका उद्देश्य इनके लाभार्थियों को सशक्त बनाना है। गुजरात के कन्या केलवणी नामांकन अभियान ने महिला साक्षरता को 2001 के 57.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 2011 तक 0.7 प्रतिशत कर दिया। राष्ट्रीय स्तर पर, इसे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में परिवर्तित किया गया। इस कार्यक्रम का संबंध बाल लिंगानुपात में सुधार से है, जो 2014 के 918 से बढ़कर 2023 तक 934 हो गया। लड़कियों के स्कूल जाने से उनकी शादी देर से होती है, उनके स्वास्थ्य में सुधार होता है और दीर्घकालिक उत्पादकता बढ़ती है। इससे वे वेतनभोगी कार्यबल में प्रवेश कर सकी हैं और इस प्रकार राष्ट्र निर्माण में अधिक प्रभावी ढंग से भाग ले रही हैं। मातृ स्वास्थ्य का भी उतना ही ध्यान रखा गया। गुजरात की चिरंजीवी योजना ने संस्थागत प्रसवों पर सब्सिडी दी, जिससे मृत्यु दर में कमी आई। केन्द्रीय स्तर पर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने मातृत्व लाभ और पोषण को जोड़ा। इससे तीन करोड़ से अधिक महिलाओं को सहायता मिली। इसका मार्गदर्शक विचार एक ही था- सामाजिक व्यय से निर्बलता में कमी आनी चाहिए, विकल्प बढ़ने चाहिए और भावी कार्यबल की क्षमता बढ़नी चाहिए। निवेशकों और नागरिकों का विश्वास

शायद, गुजरात मॉडल का सबसे सूक्ष्म प्रभाव मानसिकता में बदलाव है। वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलनों ने दिखाया कि कैसे निरंतर जुड़ाव धारणाओं को बदल सकता है, एक राज्य को निवेशकों की नजर में एक विश्वसनीय निवेश गंतव्य बना सकता है और नौकरशाहों को व्यवसाय के अनुकूल बना सकता है। इसी अनुभव ने 'मेक इन इंडिया' को आकार दिया, जिसने सुव्यवस्थित मंजूरियों, भूमि गलियारों और बुनियादी ढांचे की तैयारी के जरिए विश्वसनीयता को प्राथमिकता दी। वर्ष 2014 और 2024 के बीच, भारत ने 83 लाख करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया, जो इसकी कार्यान्वयन क्षमता और दीर्घकालिक विश्वसनीयता में भरोसे का संकेत देता है। नागरिकों के स्तर पर भी उम्मीदें बदल गईं। पहले, योजनाओं का मूल्यांकन घोषणाओं से होता था। आज, आम भारतीय यह मानकर चलते हैं कि सरकार द्वारा समर्थित बिजली, शौचालय, बैंक खाते, सब्सिडी वाली गैस जैसी आवश्यक वस्तुएं वास्तव में उन तक पहुंचेंगी। इस तरह की चुपचाप की गई सेवाओं की आपूर्ति और सुविधाओं के सामान्यीकरण ने एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति का निर्माण किया है जहां वादों को उनके क्रियान्वयन से मापा जाता है, न कि उनके इरादों से। कई मायनों में, यह बढ़ी हुई उम्मीद गुजरात मॉडल की सबसे ठोस विरासत है। विकसित भारत 2047 की ओर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' महज एक नारा भर नहीं है। इसकी छाप रोजमर्रा की जिंदगी में साफ दिखाई देती है- बिजली अब लक्जरी नहीं रही, कल्याण सीधे तौर पर उपलब्ध हो रहा है, बुनियादी ढांचे से जुड़ी योजनाएं डिजिटल समन्वय से बनाईं जा रही हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा दिखावे के बजाय मापने योग्य नतीजों की दृष्टि से डिजाइन की गई है। यह अब एक ऐसा भारतीय मॉडल है जिसने शासन को अंतिम छोर तक पहुंचाया है और देश के कोने - कोने में जनजीवन को प्रभावित किया है। जब भारत 2047 तक विकसित भारत बनने का अपना लक्ष्य हासिल करेगा, तो ऐसा इसलिए संभव हो सकेगा क्योंकि एक प्रधानमंत्री ने शासन को ही नए सिरे से परिभाषित किया है। क्रियान्वयन को प्रशासन की कसौटी बनाकर, उन्होंने भारत की विशाल मशीनरी को वादों से हटाकर काम करने वाली मशीनरी में बदल दिया है। यही छाप, जिसका परीक्षण पहले गुजरात में हुआ और जो फिर पूरे देश में फैला, श्री नरेन्द्र मोदी की निर्णायक विरासत है।

लेखक केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री हैं

ये उनके निजी विचार हैं

यूपीएल सीजन-2 के लिए ऋषिकेश फाल्कन्स ने तैयार की मजबूत टीम

एजेंसी

ऋषिकेश। ऋषिकेश फाल्कन्स ने देहरादून में आयोजित प्लेयर ड्राफ्ट के बाद आगामी उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) सीजन 2 के लिए अपनी टीम को और मजबूती प्रदान की है। ड्राफ्ट के माध्यम से ऋषिकेश फाल्कन्स स्टार गेंदबाज जगदीश सुचित को आइकन खिलाड़ी के रूप में टीम में जोड़ने में सफल रही। ऋषिकेश फाल्कन्स अब अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं के संयोजन के साथ टूर्नामेंट की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अनुभव से लैस सुचित टीम के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे। टीम प्रबंधन ने ड्राफ्ट के बाद विश्वास जताया कि स्क्वाड में युवाओं और अनुभव का सही संतुलन है, जो ऋषिकेश फाल्कन्स को आगामी सीजन में सफलता दिलाएगा। ऋषिकेश फाल्कन्स के मालिक देव केसरवानी ने एक बयान में कहा, हम ड्राफ्ट में चुनी गई टीम से बेहद खुश हैं। हमें विश्वास है कि ऋषिकेश फाल्कन्स बेहतरीन क्रिकेट खेलकर ऋषिकेश और अपने सभी प्रशंसकों को गर्व महसूस कराएंगे। हमारा ध्यान हमेशा से एक ऐसी टीम बनाने पर रहा है जो सिर्फ प्रतिस्पर्धा ही न करे, बल्कि अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरे।

सब जूनियर बालक वर्ग अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबाल चैंपियनशिप के लिए मंडलीय टीम चयनित

मुरादाबाद। सब जूनियर बालक वर्ग अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबाल चैंपियनशिप के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार में मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन किया गया। ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि सब जूनियर बालक वर्ग अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 16 सितम्बर से 23 सितम्बर तक पीलीभीत में खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश व उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के समन्वय से आयोजित की जा रही है जिसमें प्रदेश की सभी 18 मण्डलों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। इसके लिए आज मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन मंडली क्रीड़ा अधिकारी व जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के निर्देशन में किया गया। चयनित टीम कल 15 सितंबर को पूर्णगिरी एक्सप्रेस से पीलीभीत के लिए रवाना होगी। नासिर कमाल ने आगे बताया कि चयनित टीम में मुरादाबाद जनपद के अबीर खान, रुद्र प्रताप सिंह, हमाद सिराज, थानेन्द्र सिंह, गतिक मेहरोत्रा, अरमान अली, वंश व श्याम चौधरी, रामपुर के मोहम्मद अर्श, मोहम्मद अयान सिद्दीकी, अब्दुल शबाब अहमद, यक्ष अरोड़ा व शेखर, संभल जिले के मोहम्मद फैज आलम, रेहान अब्बास व अली वारिस, अभिउदय सिद्दार्थ (मुरादाबाद) स्टैंड बाय, अभिषेक सागर (टीम मेनेजर) हैं।

नई दिल्ली में हुआ क्रिकेट वॉल्ट एकेडमी और सीएपीएल का प्रीव्यू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने और जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को तराशने की दृष्टि से क्रिकेट वॉल्ट अकेडमी एवं क्रिकेट अकेडमी प्रीमियर लीग (सीएपीएल) का प्रीव्यू नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर एनेक्स में आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत के 2012 अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद्र, एकेडमी के संस्थापक शिवम शर्मा और डायरेक्टर मोहम्मद आरिफ ने संयुक्त रूप से इस पहल की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विशेष रूप से राज्यसभा सांसद नरेश बंसल उपस्थिति थे। साथ ही, उन्मुक्त चंद्र के गुरु और प्रसिद्ध क्रिकेट कोच संजय भारद्वाज सहित कई गणमान्य लोग भी इस अवसर पर मौजूद रहे। सभी ने इस पहल को भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। कार्यक्रम में उन्मुक्त चंद्र ने युवा खिलाड़ियों को सशक्त बनाने के लिए वैश्विक स्तर की विशेषज्ञता और वैज्ञानिक प्रशिक्षण ढांचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के पास जमीनी स्तर पर असीम क्रिकेटिंग टैलेंट है, लेकिन सही संरचना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और अवसर की कमी से यह आगे नहीं बढ़ पाता।

हार्दिक ने अपने नाम किया शानदार रिकॉर्ड, पहली गेंद पर एसा करने वाले बने पहले भारतीय

नई दिल्ली। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 के मुकाबले की पहली ही गेंद पर पाकिस्तानी बल्लेबाज को आउट कर दिया। मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरुआत शानदार रही और हार्दिक ने मैच की पहली ही लीगल गेंद पर विकेट लेकर इतिहास रच दिया। हार्दिक पांड्या ने सैम अयूबको आउट कर इतिहास रच दिया क्योंकि यह पहली बार था जब किसी भारतीय खिलाड़ी ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया हो। पांड्या अब टी20 इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। वह नुवान कुलशेखरा जिन्होंने 2009 में श्रीलंका के लिए यह कारनामा किया था और जॉर्ज लिंडे जिन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका के लिए यह कारनामा किया था की सूची में शामिल हो गए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ 91 रन और 13 विकेट के साथ हार्दिक पांड्या पहले ही टी20 में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन चुके हैं।

ऑपरेशन 'व्हाइट बॉल' : पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने का आइडिया हेड कोच गंभीर का था: रिपोर्ट

एजेंसी

मुंबई। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में कुछ क्षण ऐसे देखने को मिले, जब कप्तान सूर्यकुमार यादव और अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने टॉस और फिर मैच खत्म होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। यह आइडिया टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर का था।

टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले, मैच के दौरान और मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार करने की योजना बनाई थी। इसके साथ ही, गंभीर ने खिलाड़ियों को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह की बहसबाजी से बचने को कहा था। मैच से पहले खिलाड़ियों को दिए गए गंभीर के संबोधन के एक विशेष विवरण में, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुख्य

कोच ने खिलाड़ियों को सोशल मीडिया से दूर रहने और मीडिया में मैच के बारे में चल रही सभी चर्चाओं को नजरअंदाज करने की भी सलाह दी थी। इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद सोशल मीडिया पर इस मैच का बहिष्कार करने की मांगों की बाढ़ आ गई थी। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ आलोचकों ने तो खिलाड़ियों को पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरने के लिए 'देशद्रोही' तक कह दिया। दावा है कि बोर्ड और सरकार की ओर से अनुमति दिए गए मैच में उनकी भागीदारी को लेकर लगातार उठ रहे सवालों से खिलाड़ी बेचैन थे, इसलिए मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले अपनी टीम को ड्रेसिंग रूम में एक उत्साहवर्धक बातचीत के लिए इकट्ठा किया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गंभीर ने टीम को मैच के दौरान और बाद में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नजरअंदाज करने के लिए कहा था।

रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर ने टीम से कहा था, 'सोशल मीडिया पर कम समय बिताएं, शोर-शराबा पढ़ना बंद करें। आपका काम भारत के लिए खेलना है। पहलगाम में जो हुआ, उसे मत भूलना। हाथ मत मिलाओ, उलझो मत। बस मैदान पर जाओ, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो और भारत के लिए जीतो।' खिलाड़ियों ने गौतम गंभीर के सुझाव का पालन किया और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस से पहले और बाद में पाकिस्तानी टीम के कप्तान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाया। इस जीत को पहलगाम हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के योगदान को समर्पित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा और मुख्य कोच माइक हेसन बाद में भारतीय ड्रेसिंग रूम में पहुंचे, लेकिन कोई भी खिलाड़ी उनका अभिवादन करने के लिए आगे नहीं आया।

ब्रिटिश बॉक्सिंग लीजेंड रिकी हैटन का 46 साल की उम्र में निधन

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के मशहूर मुक्केबाज और पूर्व दो डिविजन के विश्व चैंपियन रिकी हैटन का 46 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। विश्व बॉक्सिंग संघ (डब्ल्यूबीए) ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। 'द हिटमैन' नाम से मशहूर हैटन ने अपने 15 साल लंबे पेशेवर करियर में डब्ल्यूबीए, आईबीओ और आईबीएफ लाइट-वेल्टरवेट खिताब और डब्ल्यूबीए वेल्टरवेट वर्ल्ड चैंपियनशिप जीते। उन्होंने 2012 में संन्यास लिया था और इस साल दुबई में रिंग में वापसी की तैयारी कर रहे थे। हैटन का सबसे बड़ा पल 2005 में आया, जब उन्होंने मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया के कोस्ट्या त्सजू को हराकर आईबीएफ लाइट-वेल्टरवेट खिताब अपने नाम किया। उस समय तक वे 43-0 की अपराजेय श्रृंखला पर थे। लेकिन 2007 में लास वेगास में फ्लॉयड मेवेदर जूनियर के हाथों पहली हार और 2009 में मैनी पैकियाओ से नॉकआउट हार ने उनके करियर की दिशा बदल दी। रिकी हैटन ने अपने करियर में 48 मुकाबलों में से 45 में जीत दर्ज की थी। संन्यास के बाद हैटन ने अवसाद, शराब और नशे से जूझने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार की थी। 2016 में बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, मेरी शराब की लत ने मुझे बर्बाद करना शुरू किया और फिर ड्रग्स की ओर धकेल दिया। यह किसी बेकाबू ट्रेन जैसा था। 2023 में वे मानसिक स्वास्थ्य संगठन कैम्पेन अगेंस्ट लिविंग मिजरेबली से जुड़े और लोगों को प्रेरित करने लगे। ब्रिटिश पूर्व विश्व चैंपियन आमिर खान ने हैटन के निधन पर दुख जताया और उन्हें दोस्त, मार्गदर्शक और योद्धा बताया।

फिडे ग्रैंड स्विस 2025 : महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर, प्रज्ञानानंद की कैंडिडेट्स उम्मीदों को झटका

एजेंसी

समरकंद (उज़्बेकिस्तान)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने पूर्व विश्व चैंपियन मारिया मुजिचुक (यूक्रेन) को पराजित कर फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के महिला वर्ग में 10वें और अंतिम से पहले दौर के बाद संयुक्त बढ़त हासिल कर ली।

वैशाली को पता था कि जीत ही उन्हें कैंडिडेट्स की दौड़ में बनाए रख सकती है। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। सिसिलियन डिफेंस के स्वेश्निकोव वेरिएशन में खेलते हुए वह कुछ समय मुश्किल में पड़ीं, लेकिन दबाव में मारिया से हुई गलतियों का फायदा उठाते हुए वैशाली ने 42 चालों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत से वैशाली 7.5 अंकों के साथ यूक्रेन की कतेरीना लाग्नो के साथ संयुक्त बढ़त पर पहुंच गईं। इनके ठीक पीछे चीन की झोंगयी तान, युशिन सॉन्ग और कजाखस्तान की बिबिसारा असाउबायेवा 7-7 अंकों के साथ पीछा कर रही हैं। यदि वैशाली अंतिम दौर में ड्रॉ भी करती हैं तो कैंडिडेट्स स्थान की उनकी

संभावनाएं काफी मजबूत हो जाएंगी। वहीं, ओपन वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों की उम्मीदों को झटका लगा। अर्जुन एरिगैसी ने चीन के यू यांगयी से ड्रॉ खेला, जबकि निहाल सरीन भी उज़्बेकिस्तान के नादिरबेक अब्दुसत्तारोव को रोकने से आगे नहीं बढ़ सके। आर. प्रज्ञानानंद की कैंडिडेट्स में जगह बनाने की राह इस टूर्नामेंट से लगभग खत्म हो गई, क्योंकि उन्हें अमेरिका के हांस मोके नीमन से हार झेलनी पड़ी। ओपन वर्ग में अब अलिरेजा फिरोज़जा (फ्रांस), जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम और विंसेंट केमर, हॉलैंड के अनीश गिरी और नीमन 7-7 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

केन विलियमसन, डेवोन कॉनवे समेत पांच खिलाड़ी एनजेडसी के कैजुअल अनुबंध पर सहमत

एजेंसी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने पुष्टि की कि टीम के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन और डेवोन कॉनवे सहित लॉकी फर्ग्यूसन, फिन एलेन और टिम सैफर्ट ने 2025-26 सीज़न के लिए कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट (अनौपचारिक अनुबंध) पर सहमति जताई है।इस समझौते के तहत खिलाड़ी वैश्विक फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट लीगों में भाग ले सकेंगे, लेकिन साथ ही न्यूजीलैंड की हाई-परफॉर्मेंस प्रणाली से जुड़े रहेंगे। उन्हें कोचिंग, मेडिकल और मानसिक कौशल सहयोग के साथ-साथ जिम और क्रिकेट सुविधाओं की भी सुविधा मिलेगी। इन पांचों खिलाड़ियों ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। हालांकि, अनुबंध की शर्तों के अनुसार उन्हें टूर्नामेंट से पहले तय संख्या में सीरीज और मैचों के लिए उपलब्ध रहना होगा। विलियमसन ने आगामी 1 अक्टूबर से माउंट माउंगानुई में ऑस्ट्रेलिया के

खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज से खुद को अनुपलब्ध घोषित कर दिया है। वहीं, फिन एलेन चोट के कारण सीरीज से बाहर रहेंगे। चैपल-हैडली सीरीज के लिए टीम का ऐलान जाएगा। एनजेडसी के सीईओ स्कॉट वीनींक ने कहा, विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले हम चाहते थे कि हमारे सर्वश्रेष्ठ टी-20 खिलाड़ी तैयार और उपलब्ध रहें। कैजुअल अनुबंध खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और बदले में एनजेडसी उन्हें हमारी पूरी हाई-परफॉर्मेंस सुविधा मुहैया कराएगा। उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ियों का संदेश साफ है–ब्लैककैप्स के लिए खेलना उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

मेरा दिमाग शायद ज़रूरत से ज़्यादा तेज़ चल रहा था : फोबे लिचफील्ड

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड ने भारत के खिलाफ पहले वनडे में शानदार पारी खेली। नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को 'द हंड्रेड' महिला टी-20 टूर्नामेंट का खिताब जिताने के महज पखवाड़े भर बाद लिचफील्ड ने 88 रन (80 गेंद, 14 चौके) की दमदार पारी खेली। हालांकि शतक से वह 12 रन दूर रह गईं लिचफील्ड ने मैच के बाद कहा, आज मैंने सबसे बड़ा सबक यही सीखा कि मेरा दिमाग शायद ज़रूरत से तेज़ चल रहा था। 50 ओवर का खेल लंबा होता है और इसमें समय लेकर पारी बनाने की ज़रूरत होती है। लेकिन हमें आक्रामक क्रिकेट भी खेलना है, इसलिए इस बीच संतुलन बनाना होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि वानखेड़े (जनवरी 2024) में बने शतक के बाद भारत में यह उनका दूसरा शतक हो सकता था, लेकिन स्नेह राणा के खिलाफ रिवर्स

स्वीप खेलते हुए वह चूक गईं। मैच के बाद लिचफील्ड ने कहा, मैंने खेल को आगे बढ़ाने की कोशिश की और शायद रिवर्स शॉट पर ज़्यादा ध्यान दे बैठी। इस दौरान उन्होंने कप्तान एलिस पेरी और बेथ मूनी के साथ बल्लेबाज़ी के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, उनके साथ खेलना बेहद आसान हो जाता है। कभी-कभी मेरा दिमाग तेज़ चलता है, लेकिन वे शांत और अनुभवी खिलाड़ी हैं। वे मुझे सही दिशा देती हैं और खुद भी शानदार बल्लेबाज़ी करती हैं। गर्म और उमस भरे हालात में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को संघर्ष करना पड़ा। एलिस पेरी को पिंडली में ऐंठन के कारण 38 गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा, जबकि एनाबेल सदरलैंड को भी बीच में आराम करना पड़ा। लिचफील्ड ने कहा, यहां की गर्मी और नमी चुनौतीपूर्ण है। हमने थोड़ी बहुत गर्मी के अनुकूलन की कोशिश की थी, लेकिन शरीर हमेशा साथ नहीं देता। बता दें कि मैच में भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 281 रन बनाए थे, जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 44.1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया और 8 विकेट से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब दो दिन के आराम के बाद 17 सितम्बर (बुधवार) को न्यू चंडीगढ़ में ही दूसरा वनडे खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए टीम घोषित, दो अलग-अलग कप्तान बनाए गए

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी गई है। सीरीज के लिए दो अलग-अलग कप्तान बनाए गए हैं। पहले मैच के लिए रजत पाटीदार को कप्तान बनाया गया है, जबकि दूसरे और तीसरे मैच के लिए तिलक वर्मा को कमाल सौंपी गई है। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ यह सीरीज 30 सितंबर से खेली जाएगी। इससे पहले दो मल्टी-डे मैच के लिए श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम की घोषणा की गई थी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि सीनियर पुरुष चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ कानपुर में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा की है। ये मैच 30 सितंबर, 03 अक्टूबर और 05 अक्टूबर को खेले जाएंगे और सभी मैच ग्रीन पार्क स्टेडियम में दोपहर 1:30 बजे से शुरू होंगे। पहले वनडे मैच के लिए इंडिया ए टीमः रजत पाटीदार (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, सिमरजीत सिंह।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए इंडिया ए टीमः तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उप कप्तान), अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया, एशिया कप 2025 में दर्ज की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

दुबई। भारत ने एशिया कप 2025 के ग्रुप-ए मुकाबले में पाकिस्तान को 7 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों के सामने पाकिस्तानी बल्लेबाज शुरुआत से ही दबाव में नजर आए और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर केवल 127 रन ही बना सके। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान ने 40 और शाहीन अफरीदी ने नाबाद

33 रन की पारी खेली। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 3 विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल और जसप्रीत बुमराह ने 2-2 विकेट झटके। वहीं, वरुण चक्रवर्ती को एक सफलता मिली। जवाब में भारत ने 128 रनों का लक्ष्य 15.5 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 37 गेंदों पर नाबाद 47 रन बनाए। उनके साथ अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने 31-31 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से तीसरे विकेट के लिए सूर्यकुमार और तिलक के बीच 56 रनों की साझेदारी हुई। पाकिस्तान की ओर से सईम अयूब ने तीनों विकेट लिए। इस जीत के साथ भारत की सुपर-4 में जगह लगभग तय हो गई है। वहीं पाकिस्तान को अगले चरण में प्रवेश करने के लिए अपने आखिरी लीग मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को हराना अनिवार्य होगा।

एशिया कप हॉकी 2025 : चीन से 1-4 की हार के बाद भारत को रजत पदक

एजेंसी

हांगझोउ। भारतीय महिला हॉकी टीम को एशिया कप 2025 के फाइनल में मेजबान चीन से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा और उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत की ओर से नवनीत कौर (1फीसदी) ने शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन चीन की कप्तान ओउ जिक्सिया (21फीसदी), ली होंग (40फीसदी), ज़ोउ मीरोंग (51फीसदी) और झोंग जियाकी (53फीसदी) ने गोल दागकर खिताब अपने नाम किया।

भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत कौर ने गोल दाग दिया। शुरुआती बढ़त से चीन दबाव में आया, लेकिन उसने लगातार हमले जारी रखे। गोलकीपर बिचू देवी और डिफेंडर सुनेलिता टोप्पो ने कई बार शानदार बचाव किया, जिससे भारत ने बढ़त लंबे समय तक बनाए रखी। दूसरे क्वार्टर में 21वें मिनट पर चीन की कप्तान ओउ जिक्सिया ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन 40वें मिनट में ली होंग ने शानदार एकल प्रयास करते हुए गोल दाग दिया और चीन को 2-1 से आगे कर दिया। आखिरी क्वार्टर में मेजबान चीन ने भारत की उम्मीदों को तोड़ दिया। 51वें मिनट में जोउ मीरोंग ने पास पाकर गोल कर दिया और दो मिनट बाद झोंग जियाकी ने तेज

रन बनाते हुए चौथा गोल दाग दिया। इसके साथ ही चीन ने 4-1 की जीत दर्ज कर एशिया कप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। हालांकि भारत फाइनल में हार गया, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और रजत पदक जीतकर एशिया में अपनी मजबूती साबित की।

हॉन्ग कॉन्ग ओपन का खिताब जीतने से चूकी सात्विक-चिराग की जोड़ी, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को हॉन्ग कॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन फाइनल में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीन की जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग ने करीब 62 मिनट तक चले फाइनल में 21-19, 14-21, 17-21 से जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में अच्छी शुरुआत की और 21-19 स्कोर के साथ पहला गेम जीता। दूसरे गेम में चीनी जोड़ी ने जोरदार वापसी की। लियांग वेई केंग और वांग चांग ने बढ़त बनाते हुए दूसरा गेम 21-14 से अपने नाम किया। निर्णायक गेम में लियांग और वांग की जोड़ी ने आक्रमक खेल जारी रखा और शुरुआत में ही बढ़त बना लगी। सात्विक और चिराग को तीसरे गेम में जूझना पड़ा। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने अंतिम समय तक वापसी की कोशिश की, लेकिन मैच को बचा नहीं पाए। चीनी जोड़ी ने निर्णायक गेम 21-17 से जीत लिया। इस तरह चीन की जोड़ी ने 21-19, 14-21, 17-21 से जीत दर्ज करते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में मेघना ने जीता कांस्य पदक, पांचवें स्थान पर रहा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज मेघना सज्जनार ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल-पिस्टल 2025 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह उनका पहला वर्ल्ड कप पदक है। इस पदक की मदद से भारत ने चीन के निंगबो में आयोजित वर्ल्ड कप को एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ पांचवें स्थान पर समाप्त किया। फाइनल में मेघना ने 230.0 का स्कोर किया। चीन की निशानेबाज पेंग शिनलु ने 255.3 अंकों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टाड ने 252.6 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

चीन की खिलाड़ी ने फाइनल की 24 शॉट्स की सीरीज की शुरुआत परफेक्ट 10.9 के साथ की। पहले पांच शॉट्स की सीरीज के बाद मेघना आठ महिला खिलाड़ियों में सबसे पीछे थीं। दूसरी सीरीज में 52.3 के स्कोर ने उन्हें छठे स्थान पर पहुंचा दिया। अगले 10 शॉट्स में उन्होंने 10.2 से कम स्कोर नहीं किया, जिसमें 12वें शॉट में एक अहम 10.9 भी शामिल था। इस तरह उन्होंने कुल 230 का स्कोर बनाते हुए पदक पक्का कर लिया। इससे पहले शनिवार (13 सितंबर) को ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को पहला पदक दिलाया था।

भारत के अन्य स्कोर

किरण अंकुश जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालिफिकेशन राउंड में 590 का स्कोर कर चौथा स्थान प्राप्त किया। हालांकि, फाइनल में खराब शुरुआत के कारण वे आठवें स्थान पर रहे। उनका कुल स्कोर 406.7 रहा।

पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुशाले ने 587 का स्थिर स्कोर किया और 21वें स्थान (पदक दावेदारों में 19वें स्थान पर) पर रहे। बाबू सिंह पंवार ने 583 का स्कोर किया और और पीछे रहे।

महिलाओं की एयर राइफल में ओलंपियन रमीता जिंदल ने 629.8 का स्कोर कर 22वां स्थान (पदक दावेदारों में 16वां) हासिल किया, जबकि काशिका प्रधान ने 626.6 का स्कोर किया।

चीन ने जीते सबसे ज्यादा पदक

प्रतियोगिता में चीन तीन स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। नॉर्वे दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। कुल 10 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला हुआ।

जीएसटी सुधार हर नागरिक के लिए एक बड़ी जीत : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि 12 फीसदी जीएसटी दर वाले 99 फीसदी सामान अब 5 फीसदी जीएसटी दर वाले दायरे में आ गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने तमिलनाडु के चेन्नई में आयोजित व्यापार एवं उद्योग संघ के संयुक्त सम्मेलन 'उभरते भारत के लिए कर सुधार' को संबोधित करते हुए ये बात कही। सीतारमण ने कहा कि यह बदलाव तय समय से पहले ही लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य के अपने त्योहारों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीपावली से पहले जीएसटी सुधारों को लागू करने के निर्देश से बहुत पहले ही इन्हें लागू करने का निर्णय लिया गया है।जीएसटी सुधारों के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि लोगों के जागने से लेकर सोने तक जीएसटी के लाभ अब दैनिक जीवन के हर पहलू को प्रभावित करते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी सुधार एक प्रमुख कदम उन 99 फीसदी वस्तुओं पर जीएसटी को घटाकर केवल 5 फीसदी करना है, जिन पर पहले 12 फीसदी कर लगता था। सीतारमण ने कहा कि नए जीएसटी सुधार 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से लागू होंगे।

जीएसटी सुधारों से एमएसएमई में ग्रोथ और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : केंद्र

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान, लॉजिस्टिक्स और हस्तशिल्प पर जीएसटी दरें कम होने से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती मिलेगी और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण उद्यमियों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। उदाहरण के लिए, दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ेगी, जिससे टायर, बैटरी, कांच, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एमएसएमई को लाभ होता है। किफायती साइकिलें गिग वर्कर्स, किसानों और ग्रामीण व्यापारियों के लिए मददगार साबित होती हैं और सस्ती कारें छोटे शहरों में एमएसएमई और डीलरशिप के लिए मददगार साबित होती हैं। ट्रैक्टरों (1800 सीसी से कम) पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत करने से भारत की वैश्विक ट्रैक्टर निर्माण में अग्रणी स्थिति मजबूत होती है और सहायक एमएसएमई को सहायता मिलती है। वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों (ट्रक, डिलीवरी वैन) पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे माल ढुलाई, रसद लागत, मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ है और एमएसएमई ट्रक मालिकों को लाभ हुआ है।

एसी ,एलईडी के लिए पीएलआई योजना में 15 सितंबर से 14 अक्टूबर तक फिर आवेदन का मौका

नई दिल्ली। सरकार ने घरेलू उपकरणों (एसी और एलईडी लाइट्स) के लिए पीएलआई योजना के तहत निवेश के इच्छुक उद्यमियों को आवेदन का एक और मौका दिया है। सरकार ने 15 सितंबर से 14 अक्टूबर तक उद्यमियों को फिर से आवेदन का मौका देने का फैसला लिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने रविवार को एक विज्ञप्ति में यह घोषणा करते हुए कहा कि उद्योग जगत की इस योजना के अंतर्गत और अधिक निवेश करने की इच्छा के आधार पर आवेदकों को आवेदन का यह अवसर देने का निर्णय किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि यह निर्णय पीएलआईडब्ल्यूजी योजना के तहत भारत में एसी और एलईडी लाइट्स के प्रमुख पुर्जों के निर्माण से उत्पन्न बढ़ते बाजार और विश्वास को दर्शाता है। यह योजना 16 अप्रैल 2021 को अधिसूचित की गयी थी और इसका बीच में समय-समय पर संशोधन किया गया था। योजना के लिये नयी आवेदन खिड़की 04 जून 2021 को जारी पीएलआईडब्ल्यूजी योजना दिशानिर्देशों में निर्धारित नियमों और शर्तों पर खोली जा रही है।

कीमत बढ़ने से कम सोना खरीद रहे लोग, कैरेट पर भी कर रहे समझौता

नई दिल्ली। सोने की कीमत आसमान पर होने के कारण लोगों ने गहने-जेवरात की खरीद कम कर दी है, यहां तक कि कैरेट पर भी समझौता कर रहे हैं, इसके बावजूद सर्राफा व्यापारियों की चांदी है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,13,000 रुपये प्रति दस ग्राम से ऊपर है जो पहले कभी नहीं देखा गया था। यह इस साल 30 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हुआ है। यहां भारत मंडपम में 13 से 15 सितंबर तक जारी तीन दिवसीय दिल्ली ज्वेलरी एंड जेम्स फेयर 2025 में मीडिया से बात करते हुए इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतल वकील वालिया ने कहा कि ऊंची कीमत के अलावा एक और तथ्य है जो लोगों की पसंद को प्रभावित कर रही है। अब महिलाएं भारी जेवर की बजाय हल्के जेवर ज्यादा पसंद करती हैं जिन्हें वे ऑफिस या घरों में भी रोजाना पहन सकें, न कि सिर्फ खास मौकों पर। इसलिए, लोग शादियों में भी हल्के जेवर दे रहे हैं। यह जेब के लिए किफायती भी है और फैशन पसंद युवा वर्ग के लिए बिल्कुल सही है।

सर्राफा बाजार : सोने के भाव में मामूली गिरावट, चांदी की कीमत में आया उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज एक बार फिर तेजी आ गई है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने आज 1,11,170 रुपये से लेकर 1,11,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 1,01,850 रुपये से लेकर 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,32,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। हालांकि, साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान जबरदस्त उतार-चढ़ाव होने के बावजूद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 3,120 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। सोने की तरह ही पूरे सप्ताह कीमत में उतार चढ़ाव के बाद चांदी के भाव में साप्ताहिक आधार पर 6,900 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आ गई है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,11,320 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,11,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,11,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,11,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,01,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,11,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,11,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,01,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,11,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,11,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

आईईसी की बैठक भारत मंडपम में 15 से 19 सितंबर तक, दो हजार से अधिक वैश्विक विशेषज्ञ होंगे शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल आयोग (आईईसी) की 89वीं की आम बैठक (जीएम) राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 15 से 19 सितंबर तक होगी। इसमें 100 से ज्यादा देशों के 2,000 से अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी इस समारोह का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल आईईसी प्रदर्शनी का अनावरण करेंगे। 1960, 1997 और 2013 के बाद ये चौथी बार है, जब भारत प्रतिष्ठित आईईसी की आम बैठक की मेजबानी कर रहा है। मंत्रालय के मुताबिक यह भारत में इलेक्ट्रोटेक्निकल क्षेत्र में अपनी तरह की सबसे बड़ी प्रदर्शनी होगी, जिसमें इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, स्मार्ट लाइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी विनिर्माण में नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह भारतीय स्टार्ट-अप्स के लिए एक वैश्विक नेटवर्किंग मंच प्रदान करेगी। अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल आयोग के उपाध्यक्ष विमल महेंद्रू ने बताया कि आईईसी के सदस्यों में लगभग 170 देश शामिल हैं। ये देश विश्व की 99 फीसदी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं और मूल्य के संदर्भ में वैश्विक व्यापार के लगभग 20 फीसदी व्यापार पर प्रभाव डालते हैं।

अक्टूबर में शेयर बाजार 3 दिन बंद रहेगा, दिवाली की छुट्टी के दिन होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्टूबर के महीने में गांधी जयंती, दशहरा, दिवाली जैसे त्योहारों की वजह से तीन दिन शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई के हॉली-डे कैलेंडर के मुताबिक अक्टूबर के महीने में 2 अक्टूबर के अलावा 21 और 22 अक्टूबर को छुट्टी रहेगी। इन तीनों दिन बीएसई और एनएसई में सामान्य कारोबार नहीं होगा। स्टॉक मार्केट के हॉली-डे कैलेंडर के अनुसार 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती के साथ ही दशहरा भी है। इन दोनों मौकों पर स्टॉक मार्केट में छुट्टी होती है, लेकिन इस बार इन दोनों छुट्टियों का मौका एक ही दिन पड़ रहा है, इसलिए इस दिन बीएसई और एनएसई में ट्रेडिंग नहीं होगी। इसके बाद 21 अक्टूबर को दिवाली और लक्ष्मी पूजन की वजह से बाजार बंद रहेगा। हालांकि, उसी दिन शाम को परंपरागत मुहूर्त ट्रेडिंग का आयोजन होगा, जिसका समय बाद में घोषित किया जाएगा। इसके अगले दिन यानी 22 अक्टूबर को दिवाली बलि प्रतिपदा के मौके पर भी बाजार में छुट्टी रहेगी और किसी तरह का कारोबार नहीं होगा। इस तरह अक्टूबर में निवेशकों को तीन दिन का ब्रेक मिलने वाला है। स्टॉक एक्सचेंज की छुट्टियों की लिस्ट के मुताबिक बली प्रतिपदा की छुट्टी के बाद नवंबर में 5 तारीख को गुरु पूरब की छुट्टी होगी, जबकि 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर स्टॉक मार्केट बंद रहेगा। इन छुट्टियों के अलावा करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में 5 सितंबर को ईद-ए-मिलाद की भी छुट्टी रहेगी।

इंडिगो ने अपने इंजीनियरिंग विभाग में पहले महिला तकनीशियन बैच को शामिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने राष्ट्रीय इंजीनियरिंग दिवस पर 33 रखरखाव तकनीशियनों के अपने पहले महिला बैच को शामिल किया। यह पहल विमानन क्षेत्र में तकनीकी भूमिकाओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और समान अवसर पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इंडिगो का इंजीनियरिंग विभाग एयरलाइन के 400 से अधिक विमानों के बेड़े में सुरक्षा, गुणवत्ता और विश्वसनीयता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है, जिसने 99.89 फीसदी वित्त वर्ष 2024-25 की तकनीकी प्रेषण विश्वसनीयता हासिल की है। कंपनी ने कहा कि महिला तकनीशियनों के नए बैच ने हाल ही में एक हफ्ते के इंडक्शन प्रोग्राम में भाग लिया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों और महिला इंजीनियरों ने अपने अनुभव साझा किये। इंडिगो के कार्यबल में 44.8 फीसदी से अधिक महिला कर्मचारी हैं और इसमें महिला पायलटों का प्रतिशत 16.2 फीसदी है। इस पहल के साथ ही एयरलाइन विमानन उद्योग में अग्रणी के रूप में अपनी भूमिका को सुदृढ़ करेगी, एक ऐसे भविष्य का निर्माण करेगी, जहां अधिक महिलाएं तकनीकी भूमिकाओं और नेतृत्वकारी पदों पर कदम रखेंगी।

अगले सप्ताह प्राइमरी मार्केट में खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 11 शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में काफी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह कम से कम पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च करने वाली हैं। इनमें दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा कल से शुरू हो रहे नए सप्ताह में 11 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होकर अपने कामकाज की शुरुआत करने वाली हैं। सप्ताह के पहले दिन ही 15 सितंबर को टेक-डी साइबर सिक्योरिटी का 38.99 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 17 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के लिए 183 से 193 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 16 सितंबर को डेकोरेटिव वॉल पैनल बनाने वाली कंपनी यूरो प्रतिक सेल्स का 451.31 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 18 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के लिए 235 से 247 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 60 शेयर का है। इसके अगले दिन 17 सितंबर को टीएमटी बार बनाने वाली कंपनी वीएमएस टीएमटी का 148.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 19 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के लिए 94 से 99 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। 17 सितंबर को ही संपत अल्युमिनियम का 30.53 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में भी 19 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के लिए 114 से 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इसके अलावा गुरुवार 18 सितंबर को जेडी केबल्स का 95.99 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 22 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के लिए 144 से 152 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस सप्ताह 11 कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगी। सप्ताह के पहले दिन 15 सितंबर को ही वशिष्ठ लग्जरी फैशन के शेयरों की स्टॉक मार्केट में एंट्री होगी। इसके अगले दिन 16 सितंबर को कृपालु मेटल्स, कार्बन स्टील इंजीनियरिंग, नीलांचल कार्बो मेटालिक्स और टॉरियन एमपीएस के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होंगे।

केंद्र ने 15 सितंबर से 30 दिनों के लिए खोली पीएलआई योजना के आवेदन की विंडो

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू उपकरणों (एयर कंडीशनर एसी और एलईडी लाइट) के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए आवेदन विंडो को 15 सितंबर से 14 अक्टूबर तक 30 दिनों के लिए फिर से खोल दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस योजना के लिए आवेदन विंडो 15 सितंबर से 14 अक्टूबर तक ऑनलाइन पोर्टल RL https://pliwg.dpiit.gov.in/पर खुली रहेगी। आवेदन विंडो बंद होने के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 07 अप्रैल, 2021 को एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइटों के कलपुर्जों और सब-असेंबली के निर्माण के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य विनिर्माण को केंद्र में लाना और भारत के विकास को गति देने तथा रोजगार सृजन में जोर देना है। ये योजना वित्त वर्ष 2028-29 तक सात वर्षों की अवधि में क्रियान्वित की जाएगी और इसका परिव्यय 6,238 करोड़ रुपये है।

पीएसयू बैंक 'विकसित भारत 2047' में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार: डीएफएस सचिव एम. नागराजू

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) अस्तित्व और स्थिरता के दौर से आगे बढ़ चुके हैं और अब विकसित भारत 2047 की यात्रा में वृद्धि, नवाचार और नेतृत्व की बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं। वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने गुरुग्राम में दो दिवसीय पीएसबी मंथन 2025 कार्यक्रम के समापन पर यह बात कही। नागराजू ने पीएसबी मंथन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने की आकांक्षा रखने को कहा। उन्होंने अपने संबोधन में शासन और परिचालन लचीलेपन को मजबूत करने तथा पारंपरिक और उभरते उद्योगों में अपनी भूमिका बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) द्वारा आयोजित 'पीएसबी मंथन 2025' का विषय, विकसित भारत के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग की पुनर्कल्पना था। इस कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी, नियामक, उद्योग विशेषज्ञ, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकीविद् और बैंकिंग व्यवसायी शामिल हुए। कार्यक्रम में ग्राहक अनुभव, शासन, नवाचार, ऋण वृद्धि, जोखिम प्रबंधन और प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण पर चर्चा हुई।मंत्रालय के मुताबिक प्रख्यात वक्ताओं में भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे; देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन; सेबी के पूर्व अध्यक्ष एम. दामोदरन, आईआरडीएआई के पूर्व अध्यक्ष देबाशीष पांडा, आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर, आर गांधी, एनएस विश्वनाथन और एमके जैन तथा एसबीआई के पूर्व अध्यक्ष रजनीश कुमार और दिनेश कुमार खारा तथा वित्तीय क्षेत्र, उद्योग, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के कई अन्य प्रतिष्ठित नेता शामिल थे।

जीएसटी दरों में भारी कटौती से किसानों, सहकारिताओं और ग्रामीण उद्यमों को बड़ी राहत

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्र सरकार के वस्तु एवं सेवा कर में व्यापक कटौती करने का सीधा लाभ 10 करोड़ से अधिक डेयरी किसानों, सहकारी संस्थाओं और ग्रामीण उद्यमों को मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाए गए इन #Ne&tGenGST सुधारों का पूरे दुग्ध सहकारी क्षेत्र, जिसमें अमूल जैसे बड़े ब्रांड भी शामिल हैं, ने स्वागत किया है। दुग्ध और खाद्य उत्पादों पर राहतः दूध और पनीर, चाहे ब्रांडेड हों या बिना ब्रांड के, को जीएसटी से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। वहीं, मक्खन, घी और अन्य दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी 12फीसदी से घटाकर 5फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा, चीज़, नमकीन, पास्ता, जैम, जेली, भुजिया और फलों के जूस पर भी जीएसटी 12फीसदी या 18फीसदी से घटाकर 5फीसदी कर दिया गया है। इससे इन उत्पादों के दाम कम होंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में इनकी मांग बढ़ेगी। पैकिंग पेपर और डिब्बों पर भी जीएसटी 5फीसदी कर दिया गया है, जिससे लॉजिस्टिक्स की लागत में कमी आएगी।

कृषि और परिवहन क्षेत्र में भी लाभः कृषि क्षेत्र में किसानों को बड़ी राहत दी गई है। 1800 सीसी से कम क्षमता वाले ट्रैक्टरों और उनके पुर्जों पर जीएसटी 18फीसदी से घटाकर 5फीसदी कर दिया गया है। अमोनिया, सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड जैसे प्रमुख उर्वरक इनपुट पर जीएसटी 18फीसदी से घटाकर 5फीसदी कर दिया गया है, जिससे उर्वरक सस्ते होंगे और किसानों को समय पर उपलब्ध होंगे। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए, बारह बायो-पेस्टीसाइड और कई सूक्ष्म पोषक तत्वों पर जीएसटी 12फीसदी से घटाकर 5फीसदी कर दिया गया है।

इससे जैविक कृषि इनपुट किफायती होंगे। वाणिज्यिक वाहनों पर भी जीएसटी में बड़ी कटौती की गई है। ट्रक और डिलीवरी वैन जैसे मालवाहक वाहनों पर जीएसटी 28फीसदी से घटाकर 18फीसदी कर दिया गया है। इससे परिवहन लागत घटेगी और कृषि उत्पादों की ढुलाई सस्ती होगी, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। मालवाहक वाहनों के थर्ड-पार्टी बीमा पर जीएसटी भी 12फीसदी से घटाकर 5फीसदी किया गया है।

अरुणाचल सरकार ने नामचिक-नामफुक खदान के खनन पट्टे को मंजूरी दी

एजेंसी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने चांगलांग जिले के खरसांग में स्थित नामचिक-नामफुक कोयला खदान के पट्टे को मंजूरी दे दी है। इस खदान का संचालन गुवाहाटी की कंपनी कोल पल्ज प्राइवेट लिमिटेड करेगी। उसे वर्ष 2023 में हुई नीलामी में 30 वर्षों के लिए यह अधिकार मिला था। पट्टा अधिकार देने को लेकर राज्य सरकार और कंपनी के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर अरुणाचल के भूविज्ञान एवं खनन मंत्री वांकी लोवांग ने कहा कि इस खदान से जल्द ही कोयला उत्पादन शुरू होने की संभावना है। इस खदान से प्रतिवर्ष दो लाख टन कोयला उत्पादन होने की संभावना है, जिससे राज्य को राजस्व मिलेगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि खदान का परिचालन शुरू होने से अवैध खनन पर रोक लगेगी और बिजली की मांग पूरी करने में मदद मिलेगी।यह खदान क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश के सुदूर पूर्व में स्थित नामचिक संरक्षित वन का हिस्सा है। यहां पर खनन के लिए सभी जरूरी वन एवं पर्यावरण मंजूरियां केंद्र सरकार से ली जा चुकी हैं। करीब 1.5 करोड़ टन भंडार वाले इस कोयला क्षेत्र में पहले वर्ष 2007 से 2012 के बीच खनन हुआ था, लेकिन नियमों के उल्लंघन एवं अन्य कारणों से इसे रोक दिया गया था।

साप्ताहिक समीक्षा : पॉजिटिव संकेतों के चलते शेयर बाजार में पूरे सप्ताह बनी रही मजबूती

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रेड डील को लेकर अमेरिका के साथ बने तनाव में कमी आने के संकेत, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद और यूरोपीय यूनियन द्वारा भारत के खिलाफ लाए गए अमेरिकी टैरिफ प्रस्ताव को खारिज करने की खबरों से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान लगातार मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आया। शेयर बाजार में इस अवधि के दौरान पिछले 3 महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई। शुक्रवार यानी 12 सितंबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में बीएसई का सेंसेक्स 1,193.94 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ 81,904.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने 373 अंक यानी 1.50 प्रतिशत उछल कर 25,114 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान 1.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, वारी एनर्जीज, एसबीआई कार्ड और पेमेंट सर्विसेज, इंडस टावर, अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप की तरह ही बीएसई का मिडकैप इंडेक्स भी पिछले सप्ताह के कारोबार में साप्ताहिक आधार पर 1.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया, मझगांव डॉक शिप बिल्डर्स, फ्लोरोकेमिकल्स, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स, ऑरिकल फाइनेंशियल सर्विसेज, एनएचपीसी और भारत फोर्ज के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

इसी तरह बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 8 से 12 सितंबर तक के साप्ताहिक कारोबार में 1.50 प्रतिशत की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल जेबीएम ऑटो, सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग, सिगाची इंडस्ट्रीज, इंडो काउंट इंडस्टरीज, प्राइम फोकस, प्रेसीजन कैमशाफ्ट्स, आईओएल केमिकल एंड फार्मास्यूटिकल्स, सेलेक्ट एनर्जी सिस्टम्स, दिलीप बिल्डकॉन, रैम्को इंडस्ट्रीज, ग्रीन पैनल इंडस्ट्रीज, इंडिया टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और एमटीएआर टेक्नोलॉजी के शेयर साप्ताहिक आधार पर 15 से लेकर 36 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, पारादीप फास्फेट्स, ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स, केआर रेल इंजीनियरिंग, विमता लैबोरेट्रीज, कार ट्रेड टेक और गुड लक इंडिया के शेयरों में 10 से लेकर 16 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। सेक्टोरल फ्रंट पर देखें, तो पिछले सप्ताह के कारोबार में निफ्टी के कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स के अलावा सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर एक प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी का डिफेंस इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 7 प्रतिशत की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इसी तरह आईटी इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 4 प्रतिशत उछलकर बंद हुआ। पीएसयू इंडेक्स 3 प्रतिशत की तेजी हासिल करने में सफल रहा। इसके अलावा निफ्टी के ऑटोमोबाइल, मेटल और फार्मास्यूटिकल इंडेक्स 2 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद हुए।

शंघाई में भारतीय महावाणिज्य दूतावास में मनाया गया हिंदी दिवस, प्रतिभागियों ने संस्कृत श्लोकों का पाठ किया

एजेंसी

शंघाई। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने ब्रिटानिका इंटरनेशनल स्कूल में हिंदी दिवस पर एक समारोह आयोजित किया।कार्यक्रम में भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों, विदेशी नागरिकों और भारत-प्रेमी स्थानीय चीनी मित्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हिंदी में कविताएं, लघु कथाएं, निबंध और गीत प्रस्तुत किए। कुछ प्रतिभागियों ने संस्कृत श्लोकों का पाठ किया। ब्रिटानिका इंटरनेशनल स्कूल इस क्षेत्र का पहला अंतरराष्ट्रीय स्कूल है, जिसने हिंदी को अपने पाठ्यक्रम में स्थायी रूप से शामिल किया है। यह पूर्वी चीन में हिंदी के सांस्कृतिक प्रभाव के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। मेरी पसंदीदा हिंदी फिल्म विषयक निबंध प्रतियोगिता में वयस्कों, वरिष्ठ विद्यार्थियों और कनिष्ठ विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस विषय ने भारतीय सिनेमा की उस विशिष्ट भूमिका को उजागर किया, जो भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर के रूप में दुनिया को जोड़ने का माध्यम है। विजेताओं को समारोह में सम्मानित किया गया। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी केवल भारत की राजभाषा ही नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक स्वरूप, परंपरा और एकता की जीवंत अभिव्यक्ति है।

इजरायली हवाई हमले में यमन के 26 मीडियाकर्मी मारे गये : हूती समूह

सना। यमन की राजधानी सना में इजरायल के हवाई हमले में मारे गये 46 लोगों में से 26 लोग स्थानीय मीडिया संस्थान के कर्मचारी थे। यमन के हूती समूह ने रविवार को इसकी जानकारी दी। एक बयान में हूती समूह ने कहा कि हमले में मध्य सना में तहरीर चौक पर स्थित दो समाचार पत्रों- 26 सितंबर और अल-यमन के कार्यालय ध्वस्त हो गये। उन्होंने कहा कि इस हमले से उनका मीडिया संचालन कमजोर नहीं होगा। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि हमले में 165 लोग घायल हुये जिनमें महिला और बच्चे शामिल हैं। हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी ने क्षतिग्रस्त आवासीय इमारतों और मलबे में खोजबीन कर रहे बचावकर्मियों का फुटेज जारी किया। इजरायली सेना ने कहा कि उसने सैन्य शिविरों, हूतियों के जनसंपर्क मुख्यालय और एक ईंधन भंडारण स्थल को निशाना बनाया। इजरायली सेना ने साथ ही कहा कि ये कार्रवाई हूती समूह द्वारा किये गये ड्रोन और मिसाइल हमले के जवाब में थी। हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने इस हमले का जवाब देने की कसम खाई। श्री याह्या का कार्यालय भी पिछले सप्ताह में हुये हवाई हमले में नष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि यह हमला अनुत्तरित नहीं रहेगा।

बेलारूस पड़ोसी देशों को बिन मांगी सहायता नहीं देना चाहताः लुकाशेंको

मिन्स्क। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने सोमवार को कहा कि बेलारूस अपने पड़ोसियों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। श्री लुकाशेंको ने कहा कि उसके पास अपने पड़ोसियों की बिना मांगे सहायता करने की कोई योजना नहीं है। श्री लुकाशेंको ने रूस की रज़वेदचिक समाचार पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'बेलारूस बिना आमंत्रण के अपने पड़ोसियों की सीमाएं पार करने की कोई योजना नहीं बना रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि बेलारूस 'उन सभी के साथ मित्रता और सहयोग करने के लिए तैयार है जो ईमानदारी से ऐसा चाहते हैं।' राष्ट्रपति ने कहा कि बेलारूस के प्रति पश्चिम की अमित्र नीति आक्रामक होती जा रही है, लेकिन अभी तक उसे कोई विशेष जोखिम या प्रत्यक्ष सैन्य खतरा नहीं दिख रहा है।

कैमरून के बार में विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत, चार घायल

याउंडे। कैमरून के एंग्लोफोन उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के एक बार में रविवार को हुए आईईडी विस्फोट में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार यह विस्फोट क्षेत्र के बतिबो इलाके में हुआ। बम एक पुलिस स्टेशन के पास एक बार में लगाया गया था। एक क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी ने बताया, आतंकवादियों के एक समूह ने बार को निशाना बनाया क्योंकि पुलिसकर्मी अक्सर वहाँ जमा रहते हैं। हालांकि, विस्फोट के दौरान कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं था। सभी पीड़ित नागरिक थे जो दोस्तों और परिवार के साथ समय बिता रहे थे। किसी भी समूह ने ज़िम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने इस हमले के लिए क्षेत्र में सक्रिय अलगाववादी लड़ाकों को ज़िम्मेदार ठहराया है। अलगाववादियों ने सोमवार को स्कूलों के फिर से खुलने और अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को बाधित करने के लिए कैमरून के अंग्रेजी भाषी उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों में एक महीने का लॉकडाउन शुरू किया। अलगाववादी 2017 से इन क्षेत्रों में एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की कोशिश में सरकारी बलों के साथ संघर्ष कर रहे हैं।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास ने उत्तर कोरिया का बढ़ाया पारा, दी चेतावनी

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने सोमवार को अपना त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास शुरू किया। इस अभ्यास का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति स्थापित करने और उत्तर कोरिया के सैन्य खतरों के खिलाफ सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने के तीनों देशों के निरंतर प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। पांच दिवसीय यह अभ्यास दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप जेजू के पूर्व और दक्षिण में अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में शुरू हुआ। दक्षिण कोरिया में ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के प्रवक्ता यांग सेउंग-क्वान ने एक प्रेस वार्ता में कहा, ÷फ्रीडम एज एक्सरसाइज 19 सितंबर तक होगी, ताकि उत्तर कोरिया के उभरते परमाणु और मिसाइल खतरों को रोकने और उनका जवाब देने की क्षमताओं को मजबूत किया जा सके। तीनों देशों के बीच यह तीसरा सैन्य अभ्यास है। इससे पहले पिछले साल जून और नवंबर में तीनों देश अभ्यास कर चुके हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग और अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद यह पहला अभ्यास है। अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि यह अभ्यास एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति स्थापित करने और उसे बनाए रखने के लिए देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तीनों देश बैलिस्टिक मिसाइल संबंधी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही जवान वायु रक्षा, चिकित्सा और समुद्री अभियान से जुड़े प्रशिक्षण में भी शामिल होंगे। वहीं, उत्तर कोरिया ने तीनों देशों के संयुक्त अभ्यास का विरोध किया है। उसने पिछले फ्रीडम एज अभ्यासों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है, जिसमें अमेरिकी परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक पोत शामिल थे। पिछले साल जून में हुए पहले सैन्य अभ्यास के बाद उत्तर कोरिया ने इसे अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य गुट को मजबूत करने का प्रयास बताया था। फ्रीडम एज अभ्यास के साथ-साथ, दक्षिण कोरिया और अमेरिका सोमवार से शुक्रवार तक आयरन मेस टेबलटॉप सैन्य अभ्यास भी करने वाले थे, जिसका उद्देश्य उत्तर कोरियाई खतरों को रोकने के लिए वाशिंगटन की परमाणु संपत्तियों और सियोल की पारंपरिक क्षमताओं को एकीकृत करना था।

गाजा पर हमले तेज, कतर हमले के बाद इजराइल पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो

एजेंसी

यरुशलम। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो इजराइल पहुंचे, उसी समय इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा में हवाई हमलों को और तेज कर दिया। कई ऊंची इमारतों को मलबे में बदल दिया गया और कम से कम 13 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हुई है। रुबियो ने कहा कि वह इजराइली अधिकारियों से यह समझने की कोशिश करेंगे कि गाजा को लेकर आगे की रणनीति क्या होगी, खासकर उस हमले के बाद जिसमें पिछले सप्ताह इजराइल ने कतर में हमास नेताओं को निशाना बनाया था। इस हमले ने संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई की कोशिशों को झटका दिया। रुबियो का यह दौरा तब हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोहा में इजराइली हमले पर असहमति जताई थी। उनका कहना था कि वॉशिंगटन को इसकी जानकारी पहले नहीं दी गई थी। इसके बावजूद रुबियो ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य नेताओं से मुलाकात की और उनके साथ वेस्टर्न वॉल (पश्चिमी दीवार) का दौरा किया। नेतन्याहू ने कहा,'रुबियो की यात्रा इजराइल-अमेरिका संबंधों की मजबूती का प्रतीक है। ये रिश्ते उतने ही अटूट हैं जितनी कि पश्चिमी दीवार की चट्टानें।' स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, रविवार को गाजा सिटी, शिफा अस्पताल के पास, दीर अल-बलाह और अन्य इलाकों में कई जगह बमबारी हुई। दीर अल-बलाह में एक ही परिवार के छह सदस्य मारे गए, जिनमें माता-पिता और तीन बच्चे शामिल थे। इजराइली सेना ने कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को चेतावनी दी गई थी और केवल सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। वहीं गाजा के निवासियों का कहना है कि पूरे शहर को खंडहर बनाने की कोशिश की जा रही है।

इजराइल का गाजा शहर पर हवाई हमला, कई इमारतों में विस्फोट के बाद आग लगी

एजेंसी

गाजा पट्टी। इजराइली सेना ने गाजा शहर में हवाई हमला। इससे कई ऊंची इमारतों में विस्फोट के बाद आग लग गई। इसके बाद लोगों को कई इलाकों को छोड़ने की चेतावनी दी गई। इजराइली सेना ने शहर को पूरी तरह से खाली करने का आदेश दिया है। सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की सेना ने रविवार सुबह कुछ ही घंटों के भीतर गाजा शहर में कई टावरों को खाली कराने के आदेश जारी किए हैं। यह हमले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आहूत बैठक से पहले हुई है। बैठक में गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को नुकसान से बचाने के प्रयासों पर चर्चा की जाएगी। इजराइल की सेना ने गाजा के बंदरगाह के पास स्थित 11 मंजिला अल कवथर इमारत को भी निशाना बनाया है। एक सूत्र ने बताया कि गुरुवार को होने वाली बैठक में इजराइली विदेश और रक्षा मंत्रियों के साथ-साथ इजराइली सैन्य और सुरक्षा सेवाओं के प्रमुख भी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि गाजा में अभी भी लगभग 20 बंधक जीवित हैं। दो इजराइली अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में गाजा शहर में इजराइली सैन्य जमीनी अभियान शुरू होने वाला है। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के महानिरीक्षक ने रविवार को एक बयान में कहा कि पिछले चार दिनों में गाजा शहर में कम से कम 10 संयुक्त राष्ट्र भवनों पर हमला किया गया है। यूएनआरडब्ल्यूए के महानिरीक्षक फिलिप लाज़ारिनी ने कहा कि शहर और गाजा के उत्तर में तेज इजराइली हवाई हमलों के बाद गाजा में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है और कोई भी सुरक्षित नहीं है। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि हमास इस क्षेत्र में इजराइली सैनिकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहा था। अल मोहना टावर (ऊंची इमारत तेल अल-हवा इलाके में स्थित है) को हमास प्रयोग कर रहा था।

यूक्रेन ने रूस पर 361 ड्रोन दागे, तेल रिफाइनरी में विस्फोट, रेल पटरी नष्ट

एजेंसी

मॉस्को (रूस)। रूस की आक्रामकता से झुलस रहे यूक्रेन ने पिछले 48 घंटों में उसे क्षति पहुंचाने की बड़ी कोशिश की है। रूस के अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेन ने शनिवार शाम से रविवार सुबह सूरज उगने से पहले तक कम से कम 361 ड्रोन दागे। इस दौरान उत्तर-पश्चिम में स्थित विशाल किरिशी तेल रिफाइनरी में शक्तिशाली विस्फोट हुआ और आग लग गई। द मॉस्को टाइम्स और तास की रिपोर्ट्स में इस घटना का जिक्र करते हुए बताया गया है कि नाटो सदस्य पोलैंड में रूसी ड्रोन गिराए जाने के कुछ देरबाद यूक्रेन ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल निर्यातक रूस में तेल रिफाइनरी और पाइप लाइनों पर हमले किए। हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने कम से कम 361 ड्रोन मार गिराए। खबरों के अनुसार, पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में रविवार तड़के दो ट्रेनें पटरी से उतर गईं। हादसे में एक ट्रेन चालक की मौत हो गई और रेल यातायात बाधित हो गया।

दोनों घटनाएं शनिवार देररात पश्चिमी ओरयोल में रेल पटरी के एक हिस्से पर विस्फोटक के कुछ घंटों बाद हुईं। इस विस्फोट में तीन रूसी राष्ट्रीय रक्षक अधिकारी मारे गए। यूक्रेन सैन्य खुफिया एजेंसी के एक सूत्र ने दो हमलों की जिम्मेदारी ली, लेकिन उस दुर्घटना की जिम्मेदारी नहीं ली जिसमें चालक की मौत हो गई।

कीव ने कहा है कि मॉस्को इन रेल मार्गों का इस्तेमाल यूक्रेन में लड़ रही अपनी सेना के लिए सैनिकों और ईंधन पहुँचाने के लिए करता है। इसलिए इनको निशाना बनाया गया। गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, लेनिनग्राद के गाचिना जिले में सेमरिनो स्टेशन के पास एक डीजल इंजन पटरी पर उतर गया। उसके चालक की मौत हो गई। ड्रोज्डेंको ने बताया कि 15 बोगी वाली एक मालगाड़ी भी दिन में दक्षिण में स्ट्रोगानोवो और मशिन्स्काया गांवों के बीच पटरी से उतर गई। तास के अनुसार, यूक्रेनी सेना ने विशेष सैन्य अभियान क्षेत्र में 24 घंटे में लगभग 1,330 सैनिकों को खोया है। विशेष रूप से बैटलग्रुप नॉर्थ के क्षेत्र में 170 सैनिक, बैटलग्रुप वेस्ट के क्षेत्र में 240 से अधिक सैनिक, बैटलग्रुप साउथ के क्षेत्र में 200 सैनिक, बैटलग्रुप सेंटर के क्षेत्र में 450 सैनिक, बैटलग्रुप ईस्ट के क्षेत्र में 225 से अधिक सैनिक और बैटलग्रुप डेनेपर के क्षेत्र में 45 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए। मंत्रालय ने कहा कि रूसी सशस्त्र बलों के परिचालन-सामरिक विमानन, लड़ाकू यूएवी, मिसाइल सैनिकों और तोपखाने ने यूक्रेनी सेना के यूएवी ऑपरेटरों के प्रशिक्षण केंद्रों और यूक्रेनी सैनिकों के अस्थायी तैनाती स्थलों पर हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है, यूक्रेन के 142 जिलों को निशाना बनाया गया।

टेक्सास में भारतीय व्यक्ति की हत्या पर ट्रंप ने किया वादा, 'न्याय की पूरी सीमा तक कार्रवाई'

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेक्सास में एक भारतीय नागरिक की हत्या मामले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोपी के खिलाफ 'न्याय की पूरी सीमा तक' मुकदमा चलाने का वादा किया। हत्यारे पर 'प्रथम श्रेणी की हत्या का आरोप' लगाया जाएगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, 'मुझे टेक्सास के डलास में प्रतिष्ठित व्यक्ति चंद्र नागमल्लैया की हत्या से जुड़ी भयावह खबरों की जानकारी है। उनकी पत्नी और बेटे के सामने, क्यूबा से आए एक अवैध विदेशी ने, जिसे हमारे देश में कभी होना ही नहीं चाहिए था, बेरहमी से उनका सिर काट दिया।' उन्होंने हत्या के आरोपियों को छोड़ने के लिए पहले के बाइडेन प्रशासन को भी दोषी ठहराया। ट्रंप ने कहा, 'इस व्यक्ति को पहले भी बाल यौन शोषण, कार चोरी जैसे अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अक्षम जो बाइडेन के कार्यकाल में उसे हमारी मातृभूमि में वापस छोड़ दिया गया क्योंकि क्यूबा ऐसे दुष्ट व्यक्ति को अपने देश में नहीं चाहता था। निश्चिंत रहें, मेरे शासन में इन अवैध अप्रवासी अपराधियों के प्रति नरमी बरतने का समय अब खत्म हो गया है। 10 सितंबर को 41 वर्षीय नागमल्लैया पर टेक्सास के डलास के एक मोटल में जानलेवा हमला किया गया और उनका सिर काट दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस ने 37 वर्षीय मार्टिनेज को गिरफ्तार किया। उस पर नागमल्लैया का सिर काटने और उसे कूड़ेदान में छोड़ने के गंभीर आरोप हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए एक विचलित करने वाले वीडियो में मार्टिनेज को एक कुल्हाड़ी लेकर पीड़ित का पीछा और हमला करते दिखाया गया। वीडियो से पता चला कि आरोपी ने नागमल्लैया का सिर धड़ से अलग कर दिया। फिर पीड़ित के सिर को मोटल की पार्किंग में लात मारी और कूड़ेदान में फेंक दिया। इसी बीच अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने घोषणा की कि आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने हमलावर को देश से 'निकालने' की प्रक्रिया शुरू कर दी है। डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघली ने बाइडेन प्रशासन पर बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों को देश में आने देने का भी आरोप लगाया।

ब्रिटेन में प्रवासी विरोधी मार्च पर प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा- शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है, लेकिन हिंसा बर्दाश्त नही

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर ने प्रवासी-विरोधी विशाल प्रदर्शन के बाद कहा कि देश में हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार है, लेकिन पुलिस पर हमले और लोगों को उनकी नस्ल या पृष्ठभूमि के आधार पर डराने-धमकाने जैसी घटनाओं को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। 13 सितम्बर को लंदन में करीब 1.1 लाख लोग प्रवासन के खिलाफ एक मार्च में शामिल हुए। इस रैली का आयोजन दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन ने किया था। पुलिस के अनुसार, भीड़ अनुमान से कहीं अधिक बड़ी थी और कई जगहों पर तय मार्ग से हटकर फैल गई। प्रदर्शन के दौरान 26 पुलिसकर्मी घायल हुए और 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने सोशल मीडिया पर लिखा, शांतिपूर्ण विरोध हमारे देश की मूलभूत पहचान है, लेकिन पुलिस पर हमला और समाज में भय व विभाजन फैलाना पूरी तरह अस्वीकार्य है।÷ उन्होंने कहा कि यूनियन जैक और इंग्लैंड के झंडे ब्रिटेन की विविधता और एकता का प्रतीक हैं, और इन्हें हिंसा तथा नफरत का प्रतीक बनाने की कोशिश सफल नहीं होगी। ब्रिटेन में हाल के दिनों में प्रवासन का मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। 2025 में अब तक 28,000 से अधिक प्रवासी छोटे नावों के जरिए इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंच चुके हैं। आर्थिक चुनौतियों के बीच यह विषय आम लोगों और राजनीति दोनों में गर्म बहस का केंद्र बना हुआ है।

यूक्रेन की मदद को आगे आए पोलैंड और रोमानिया, जेट विमान तैनात

एजेंसी

लंदन। सैन्य गठबंधन 'उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन' (नाटो) सहयोगी पोलैंड और रोमानिया ने यूक्रेन में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों का जवाब देने के लिए लड़ाकू विमानों को तैनात किया। यह सैन्य गठबंधन मित्र देशों के हवाई क्षेत्र के बार-बार उल्लंघन के जवाब में अपने रक्षात्मक विकल्पों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, पोलिश सेना ने कहा कि यूक्रेन की सीमा से लगे हवाई क्षेत्र में जेट विमानों की तैनाती के बाद शनिवार को हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन दर्ज नहीं किया गया। पोलिश प्रधानमंत्री डोनाड टस्क ने एक्स पर लिखी एक पोस्ट में बताया कि पोलैंड की सीमा के पास यूक्रेन में रूसी ड्रोनों द्वारा संचालित खतरे के जवाब में रक्षा तैयारी उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। लेकिन, बुखारेस्ट में रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, नाटो के पूर्वी हिस्से में दक्षिण में एक रूसी ड्रोन ने रोमानियाई हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। मंत्रालय ने कहा कि डेन्यूब नदी पर यूक्रेनी बुनियादी ढांचे पर रूसी हवाई हमलों के बाद यूक्रेन की सीमा पर हवाई स्थिति की निगरानी के लिए दो एफ-16 लड़ाकू विमान भेजे गए। डेन्यूब नदी रोमानिया और यूक्रेन के मध्य बहती है। रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने बार-बार यूक्रेनी बंदरगाह और वहां के शिपिंग ठिकानों को निशाना बनाया है।पोलैंड के राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पोलैंड गणराज्य के राष्ट्रपति करोल नवरोकी ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के विदेशी सदस्य देशों के सशस्त्र बलों के एक हिस्से को %ईस्टर्न सेंट्री% अभियान के तहत पोलैंड गणराज्य के सुदृढ़ीकरण के रूप में पोलैंड गणराज्य के क्षेत्र में रहने की सहमति व्यक्त की गई है। पोस्ट में कहा गया, राष्ट्रपति का प्रस्ताव गोपनीय है। रोमानिया के रक्षा मंत्री इयोनुत मोस्टेनु ने एक्स पर कहा कि बुखारेस्ट रूस के लापरवाह व्यवहार की निंदा करता है। हम अपने नाटो सहयोगियों के साथ सतर्क हैं। रोमानिया ने अभी तक किसी भी रूसी ड्रोन को नहीं मार गिराया है। उधर, नाटो देशों के ड्रोन मार गिराने का पहला मामला पिछले सप्ताह सामने आया, जब पोलिश और डच लड़ाकू विमानों ने पोलैंड के ऊपर तीन रूसी ड्रोनों को नष्ट कर दिया। वारसॉ के अनुसार, उस घटना में कम से कम 19 ड्रोन पोलिश हवाई क्षेत्र में घुसे थे। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक्स पोस्ट में कहा कि रोमानियाई हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाला रूसी ड्रोन देश में लगभग छह मील तक उड़कर लगभग 50 मिनट तक नाटो हवाई क्षेत्र में रहा। उन्होंने कहा कि रूसी सेना अच्छी तरह जानती है कि उनके ड्रोन कहां जा रहे हैं और वे कितनी देर तक हवा में उड़ान भर सकते हैं।

कतर पीएम ने कहा - 'दोहरे मापदंड बंद करें, इजराइल को सजा मिले'

एजेंसी

दोहा। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह इजराइल के प्रति 'दोहरे मापदंड अपनाना बंद करे' और उसे उसके कथित अपराधों के लिए दंडित करे। कतर पीएम ने यह बयान दोहा में 15 सितम्बर को होने वाले अरब और इस्लामी देशों के आपातकालीन शिखर सम्मेलन से पहले आयोजित एक तैयारी बैठक में दिया। यह शिखर सम्मेलन उस अभूतपूर्व हमले के बाद बुलाया गया है, जिसमें इजराइल ने हाल ही में दोहा में हमास नेताओं को निशाना बनाया था।

अल-थानी ने कहा, 'अब समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोहरे मापदंड बंद करे और इजराइल को उसके अपराधों के लिए दंडित करे। हमारे फिलिस्तीनी भाइयों पर चलाया जा रहा यह युद्ध उन्हें अपनी ही भूमि से खदेड़ने की कोशिश है, लेकिन यह सफल नहीं होगा।' कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने बताया कि सम्मेलन में इजराइली हमले पर ÷एक मसौदा प्रस्ताव÷ पर चर्चा होगी। सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रमुख रूप से ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी और फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास दोहा पहुंच चुके हैं। तुर्किए के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगान के भी आने की संभावना जताई गई है। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बैठक में शामिल होंगे या नहीं, लेकिन वह हाल ही में कतर दौरे पर आकर एकजुटता जता चुके हैं। कतर पश्चिम एशिया में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा मेजबान देश है और इजराइल-हमास युद्ध में अमेरिका व मिस्र के साथ प्रमुख मध्यस्थ की भूमिका भी निभा रहा है। हमास के राजनीतिक ब्यूरो सदस्य बासेम नाइम ने उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन अरब और इस्लामी दुनिया से 'निर्णायक और एकजुट रुख' पेश करेगा और इजराइल के खिलाफ 'स्पष्ट व ठोस कदम' तय किए जाएंगे।

दक्षिण कोरिया ने अफ्रीकी स्वाइन फीवर के मामला सामने आने के बाद जारी किया क्वारंटीन अलर्ट

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया ने अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) के मामले सामने आने के बाद क्वारंटीन अलर्ट जारी कर दिया है। गृह मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। गृह और सुरक्षा मंत्रालय के मुताबिक एएसएफ का मामला रविवार रात ग्योंगगी प्रांत के योनचियोन काउंटी में एक सुअर फार्म में सामने आया। इस साल का यह पांचवा मामला है। इससे पहले जुलाई में भी एक मामला सामने आया था। क्वारंटीन अधिकारियों ने देश भर में रेड अलर्ट जारी कर दिया है और योनचियोन और आसपास के क्षेत्रों में सुअर फार्मों और संबंधित सुविधाओं की गतिविधियों पर 48 घंटे की रोक लगायी है, जो मंगलवार को स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे तक रहेगी। अधिकारियों ने प्रभावित सूअरों को मार कर दफनाने और योनचियोन सूअर फार्म के आसपास कीटाणुशोधन और उस तक पहुंच को नियंत्रित करने के लिए एक क्वारंटीन टीम भेजी है।

एमी अवार्ड्स 2025 के विजेताओं की पूरी लिस्ट आई सामने, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड जीन स्मार्ट को

एजेंसी

वाशिंगटन। मनोरंजन जगत के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित पुरस्कारों में गिने जाने वाले एमी अवार्ड्स का 77वां संस्करण लॉस एंजिल्स के पीकॉक थिएटर में आयोजित हुआ। पहली बार इस शो की मेजबानी अमेरिकी स्टैंडअप कॉमेडियन नैट बार्गेट्ज़ ने की। इस बार अवार्ड्स में 'सेवरेंस', 'द पिट', 'एडोलसेंस' और 'द स्टूडियो जैसी सीरीज का जलवा छाया रहा। अब आखिरकार एमी अवार्ड्स 2025 के विजेताओं की पूरी लिस्ट सामने आ चुकी है। कॉमेडी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब सेठ रोजेन को उनकी सीरीज 'द स्टूडियो' के लिए मिला। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड जीन स्मार्ट ने 'हैक्स' के लिए अपने नाम किया। मंच से उन्होंने 'हैक्स' की पूरी टीम और कलाकारों का आभार जताया। ड्रामा कैटेगरी की बात करें तो ब्रिट लोअर को 'सेवरेंस' में शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया, जबकि एडम स्कॉट ने भी इसी सीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब हासिल किया अभिनेत्री कैथरीन लानासा को 'द पिट' के लिए ड्रामा सीरीज की सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का अवार्ड मिला। मंच पर आते ही वह भावुक हो उठीं और अपनी पूरी टीम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कॉमेडी सीरीज श्रेणी में इस साल दो बड़े नामों ने बाजी मारी। 'द स्टूडियो' के लिए सेठ रोजेन को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवार्ड मिला, जबकि 'द ओनर' के लिए इवान गोल्डबर्ग को यह सम्मान दिया गया। ड्रामा सीरीज में 'सेवरेंस' के सेठ मिलचिक का दमदार किरदार निभाने वाले ट्रैमेल टिलमैन ने सहायक अभिनेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं, ओवन कूपर ने 'एडोलेसेंस' के लिए अवॉर्ड जीतकर नया इतिहास रच दिया। महज 15 साल की उम्र में वह यह सम्मान हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष अभिनेता बने।

77वें एमी अवॉर्ड्स 2025 के विजेताओं की पूरी लिस्ट

बेस्ट ड्रामा सीरीज - द पिट

बेस्ट एक्टर (ड्रामा सीरीज) - नूह वाइल (द पिट)

बेस्ट एक्ट्रेस (ड्रामा सीरीज) - ब्रिट लोअर (सेवरेंस)

बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (ड्रामा सीरीज) - ट्रैमेल टिलमैन (सेवरेंस)

बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस (ड्रामा सीरीज) - कैथरीन लानासा (द पिट)

बेस्ट डायरेक्टर (ड्रामा सीरीज) - एडम रैंडल (स्लो हॉर्सेज)

बेस्ट कॉमेडी सीरीज - द स्टूडियो

बेस्ट एक्टर (कॉमेडी सीरीज) - सेठ रोजेन (द स्टूडियो)

बेस्ट एक्ट्रेस (कॉमेडी सीरीज) - जीन स्मार्ट (हैक्स)

बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (कॉमेडी सीरीज) - जेफ हिलर (समबडी समव्हेयर)

बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस (कॉमेडी सीरीज) - हान्नाह एनबिंडर

बेस्ट डायरेक्टर (कॉमेडी सीरीज) - सेठ रोजेन (द स्टूडियो)

बेस्ट लिमिटेड या एंथोलॉजी सीरीज - एडोलसेंस

बेस्ट एक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज) - स्टीफन ग्राहम (एडोलसेंस)

बेस्ट एक्ट्रेस (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज) - क्रिस्टिन मिलिओटी (द पेंगुइन)

बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - ओवेन कूपर

बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - एरिन डोहर्टी (एडोलसेंस)

बेस्ट डायरेक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - फिलिप बैरेंटिनी (एडोलसेंस)

बेस्ट टॉक सीरीज - द लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट

आउटस्टैंडिंग रियलिटी कम्पटीशन - द ट्रेटर्स

सब्जियों की उपयोगिता

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ की लगभग 70% जनता कृषि कार्य करती है। बढ़ती हुईजनसंख्या तथा भूमि की उत्पादन दर कम होने के कारण कभी - कभी भोजन की पूर्ति की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। भारत में खाद्य पदार्थों का कम उत्पादन होने का दूसरा कारण यह भी है कि यहाँ अधिकतर लोगों की काम करने की क्षमता कम है क्योंकि वे असंतुलित एवं कम पोषण आहार के ऊपर निर्भर रहते हैं अतः स्वास्थय ठीक न रहने से उनकी कार्य करने की क्षमता भी कम होती है। इस प्रकार स्वस्थ्य जीवन के लिए सन्तुलित एवं पोषक आहार जरूरी है। स्वस्थ एवं उत्पादन राष्ट्र बनाने के लिए खाद्य उत्पादन बढ़ाने के साथ - साथ जनता को सन्तुलित आहार प्रदान कराना भी आवश्यक है।

उद्यान विज्ञान या बागवानी कृषि की मुख्य शाखा है। बागवानी दो शब्दों से बना है। बाग मतलब बगीचा और वानी मतलब कृषि करना या उगाना। फल, फूल तथा सब्जियों की खेती करने को बागवानी कहते हैं।

▶▶ बागवानी का महत्व

1. भोजनात्मक महत्व - मनुष्य केवल अनाज वाली फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता है। उसे भोजन के साथ - साथ फल एवं सब्जियों की आवश्यकता महसूस होती है। फल एवं सब्जी मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी बीमारियों से करते हैं। भोजन विशेषज्ञ के अनुसार प्रतिदिन अनाज, दाल, दूध, सब्जी के अतिरिक्त 50-60 ग्राम फल का उपयोग करना चाहिए। फलों एवं सब्जियों में विटामिन, खनिजलवण, कार्बोहाइड्रेट, पैक्टिन, सैल्यूलोज, प्रोटीन, वसा पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं जो शरीर की वृद्धि तथा स्वास्थय संरक्षण के लिए बहुत ही आवश्यक तत्व हैं।

2. मनोरंजनात्मक महत्व - दिन भर के कठिन परिश्रम के उपरांत मनुष्य को मनोरंजन की आवश्यक होती है। अगर घर के समीप सब्जी या फल का उद्यान है तो निश्चय ही मनुष्य सुख, शांति एवं ताजगी महसूस कर सकता है।

3. विदेशी धन की प्राप्ति - बहुत सी सब्जियों, फलों को अन्य देशों में बेचकर या निर्यात कर विदेशी मुद्रा अर्जित की जा सकती है

4. अधिक पैदावार - अन्य फसलों की बजाय सब्जियों व फलों की उपज लगभग 100-150 क्विंटल प्रति हेक्टर होती है जबकि धान या गेहूं की 50-60 क्विंटल प्रति हेक्टर तक उपज होती है।

5. अधिक कैलोरीज - फलों एवं सब्जियों से प्रति इकाई अधिक कैलोरीज प्राप्त होती है। अर्थात फूलों एवं सब्जिओं का थोड़ी मात्रा में सेवन से भी अधिक शक्ति प्राप्त होती है।

6. शुद्ध लाभ - शुद्ध लाभ प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक होता है।

7. उपयोगी वस्तुओं की प्राप्ति - फल व सब्जी वाले पौधों से इंधन, लकड़ी, व तेल इत्यादि प्राप्त होते हैं। जैसे- आंवला, नारियल से तेल तथा अन्य पौधों से गोंद एवं अंजीर, बेल व नींबू प्रजाति से दवा बनायी जाती है।

8. रोजगार की संभावनायें - बेकारी की समस्या को हल करने में मदद मिल सकती है। धान्य फसलों की अपेक्षा इसमें अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है जिससे मजदूरों को अधिक समय तक कार्य मिल सकता है। फल एवं सब्जी परिरक्षण फैक्ट्री या उद्योग की स्थापना से बेकारी की समस्या को हल करने में मदद मिलती है। बागवानी पर आधारित उद्योगों जैसे जैम, जेली, सॉस, चटनी, केचप, एवं आचार उत्पादन इत्यादि को बढ़ावा मिलता है और स्वरोजगार की संभावनायें बढ़ती हैं।

9.सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन - बागवानी से दूसरे सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है। सब्जी उत्पादन, फलोत्पादन के लिए विशेष यंत्रों की खपत बढ़ जाती है। फलतः नये कारखानों का निर्माण होता है। साथ ही फलों एवं सब्जियों से बने बहुत से पदार्थ जैसे- जैम, जेली, सॉस, चटनी मार्मलेड, शर्बत, इत्यादि के लिए चीनीमिट्टी, शीशे एवं टिन के जार. मसाले, रासायनिक पदार्थ, पैकिंग सामग्री इत्यादि की आवश्यकता होती है। अत इन वस्तुओं के निर्माण हेतु प्रोत्साहन मिलता है।

10.उर्वरक शक्ति में वृद्धि - बागवानी से मृदा (मिट्टी) की उर्वरक शक्ति बढ़ती है। सब्जियों व फलों की पत्तियाँ खेत में सड़कर मिट्टी की उर्वराशक्ति बढ़ाती हैं। जड़ों के अधिक गहराई में जाने से भूमि का विन्यास अच्छा हो जाता है।

11.आय के साधन में बढ़ोतरी सब्जियाँ अधिक उपज देने वाली होती है साथ ही इनकी उपज प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक होती है। सब्जियाँ शीघ्र बढ़नेवाली या पैदा होने वाली होती है। कुछ सब्जियाँ ऐसी भी हैं जो धान्य या अन्य अनाजवाली फसलों की अपेक्षा उच्च दर से बेची जाती है। यदि अधिक उत्पादन के समय सस्ती भी बेची जाएँ तो भी अधिक पैदावार के कारण लाभ प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक मिलता है।

▶▶ सब्जियों की उपयोगिता

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ की लगभग 70% जनता कृषि कार्य करती है। बढ़ती हुईजनसंख्या तथा भूमि की उत्पादन दर कम होने के कारण कभी - कभी भोजन की पूर्ति की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। भारत में खाद्य पदार्थों का कम उत्पादन होने का दूसरा कारण यह भी है कि यहाँ अधिकतर लोगों की काम करने की क्षमता कम है क्योंकि वे असंतुलित एवं कम पोषण आहार के ऊपर निर्भर रहते हैं अतः स्वास्थय ठीक न रहने से उनकी कार्य करने की क्षमता भी कम होती है। इस प्रकार स्वस्थ्य जीवन के लिए सन्तुलित एवं पोषक आहार जरूरी है।

स्वस्थ एवं उत्पादन राष्ट्र बनाने के लिए खाद्य उत्पादन बढ़ाने के साथ - साथ जनता को सन्तुलित आहार प्रदान कराना भी आवश्यक है। यह कार्य सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने से आसानी से हाल हो सकता है। सब्जियों भोजन का एक भाग ही नहीं, बल्कि ये मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए पोषक तत्व प्रदान करती हैं। सब्जियों में अधिक मात्रा में विटामिन, खनिज पदार्थ, कार्बोहाइड्रेट तथा प्रोटीन इत्यादि पाये जाते हैं। इस प्रकार जो सब्जियों का उपयोग कम करते हैं या जो इनका उपयोग उचित रूप में नहीं करते हैं, वे खनिज पदार्थ की कमी से उत्पन्न बीमारी के शिकार हो जाते हैं। इसलिए सब्जियों का हमारे भोजन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। अत- सब्जियों के उत्पादन एवं उपभोग दोनों को बढ़ाने की आवश्यकता है।

▶▶ प्रति दिन प्रति व्यक्ति सब्जी की उपयोगिता

भोजन विशेषज्ञों के अनुसार एक व्यक्ति को प्रतिदिन 280 ग्राम सब्जियों का उपभोग करना चाहिए, जिसमें 85 जड़ वाली सब्जियाँ, 85 ग्राम अन्य सब्जियाँ तथा 110 ग्राम पत्ता वाली सब्जियाँ शामिल हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ की अधिकतर जनता शाकाहारी है। सब्जियों का महत्व और भी बढ़ जाता है। इतना होते हुए भी हमारे देश में अन्य देशों की तुलना में सब्जियों का उपयोग बहुत ही कम होता है। भारतीय भोजन में धान्य की अधिकता रहती है, जबकि प्रगतिशील देशों में धान्य की अपेक्षा सब्जियों और फलों की अधिकता रहती है। अतः भारतीय भोजन में सब्जियों एवं फलों की अधिकता के लिए इनके उत्पादन के ऊपर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। अधिकतर सब्जियाँ कम अवधि में तैयार हो जाती हैं। अत एक ही खेत में कई बार सब्जियों की फसलें ले सकते हैं।

▶▶ हरी सब्जियों का महत्व

पत्तीदार हरी शाक-सब्जियाँ शरीर के उचित विकास एवं अच्छे स्वास्थ के लिए आवश्यक होती है,क्योंकि इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व उपस्थित होते हैं । भारत में कई तरह की हरी सब्जियों को खाया जाता है, इनमे से कुछ हैं पालक, तोटाकुरा, गोंगुरा, मेथी, सहजन की पत्तियाँ और पुदिना आदि। पत्तेवाली सब्जियां लौहयुक्त होती हैं । लौह की कमी से एनीमिया जैसी बीमारी हो सकती है, जो गर्भवती स्तनपान करानेवाली महिलाओं में आम है । रोज खानेवाले भोजन में हरी पत्तीदार सब्जियों का सेवन एनीमिया को रोकने में सहायक होता है। वह स्वास्थ के लिए लाभदायक भी होता है। ये सब्जियाँ दो भागों में बांटी जा सकती हैं।

शीतकालीन पालक, मेथी, विलायती पालक, सरसों व बधुआ आदि ।

ग्रीष्मकालीन चौलाई, छोटी चौलाई, कुल्फा व पोई आदि।

हरी पत्तीदार सब्जियों में कैल्शियम, बीटा कैरोटिन एवं विटामिन सी भी काफी मात्रा में पाये जाते हैं। भारत में लगभग पांच वर्ष से कम आयुवाले 39,000 बच्चे हर वर्ष विटामिन ए की कमी से अन्धेपन का शिकार हो जाते हैं। हरी पत्तीदार सब्जियों में उपस्थित कैरोटिन शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है, जिससे अन्धेपन को रोका जा सकता है । हरी सब्जियों में विटामिन सी को बचाये रखने के लिए उन्हें ज्यादा देर तक पकाना अनुचित है, क्योंकि पोषक तत्व जो मसूड़े को शक्ति प्रदान करते हैं, अधिक पकाने से नष्ट हो जाते हैं। हरी सब्जियों में विटामिन बी कॉम्पलेक्स भी पाया जाता है।

हरी पत्तीदार सब्जियाँ प्रतिदिन वयस्क महिलाओं के लिए 100 ग्राम, वयस्क पुरुषों के लिए 40 ग्राम, स्कूल न जान वाले बालकों के लिए 4-6 वर्ष 50 ग्राम और 10 वर्ष से अधिक उम्र वाले बालक-बालिकाओं के लिए 50 ग्राम प्रतिदिन आवश्यक है। पत्तीदार हरी शाक-सब्जियाँ शरीर के उचित विकास एवं अच्छे स्वास्थ के लिए आवश्यक होती है,क्योंकि इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व उपस्थित होते हैं । भारत में कई तरह की हरी सब्जियों को खाया जाता है, इनमे से कुछ हैं पालक, चौलाई, सरसों, गोंगुरा, मेथी, सहजन की पत्तियाँ और पुदिना आदि।

पत्तेवाली सब्जियां लौहयुक्त होती हैं । लौह की कमी से एनीमिया जैसी बीमारी हो सकती है, जो गर्भवती स्तनपान करानेवाली महिलाओं में आम है । रोज खानेवाले भोजन में हरी पत्तीदार सब्जियों का सेवन एनीमिया को रोकने में सहायक होता है। वह स्वास्थ के लिए लाभदायक भी होता है।

▶▶ ये सब्जियाँ तीन भागों में बांटी जा सकती हैं।

1. शीतकालीन- पालक, मेथी, विलायती पालक, सरसों व बधुआ आदि ।

2. ग्रीष्मकालीन चौलाई, छोटी चौलाई, कुल्फा व पोई आदि।

3. जायद

खाद्यान्न फसलें - धान, गेहूं तथा मकई इत्यादि का उपयोग केवल खाने के लिए काम आता हैं। सब्जियों की खेती अधिकतर किसान बेचने के लिए करते हैं। इससे इनको नकद रूपया प्राप्त हो जाता है। खाने के लिए कम मात्रा में उपयोग करते हैं। इन सब्जियों को सप्ताहिक स्थानीय बाजारों में बेच देते हैं जहाँ से ये दूर-दूर शहरों में ले जायी जाती हैं। कृषक सब्जियों की बिक्री करके अपने - अपने परिवार का खर्च चलाने के साथ - साथ सब्जियों के उत्पादन को भी बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

इसके लिए ये प्रसिद्ध बीज कंपनियों जैसे राष्ट्रिय बीज निगम, राज्य बीज निगम, इंडो अमेरिकन हाइब्रिड सीड्स कंपनियों के बीजों का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार सब्जियों की अधिकतम पैदावार लेकर अपनी आर्थिक स्थिति सुधारते है।

▶▶ दैनिक भोजन में पत्तेदार सब्जियों को भी शामिल करना

पालक, चौलाई, हरी मेथी, सहिजन को पत्ती, मूली पत्तों आदि का सामान्यतया समस्त देश में उपभोग किया जाता है। इन पत्तेदार सब्जियों के लाभों को ध्यान रखते हुए अपने दैनिक भोजन में इनको शामिल किया जाना चाहिए।

▶▶पत्तेदार हरी सब्जियाँ अत्यधिक पौष्टिक

पत्तेदार हरी सब्जियाँ महत्वपूर्ण खनिजों और विटामिनों का भंडार होती है और इसलिए इनका वर्गीकरण संरक्षी खाद्य के रूप में किया गया है। इनमें आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए (जैसे कैरोटीन), विटामिन सी और बी कंप्लेक्स समूह के विटामिन विशेषतया रिबोफ्लोविन और फोलिक एसिड प्रचुर मात्रा में जाए जाते है। इन पत्तेदार सब्जियों में कुछ प्रोटीन भी होती है। हालाँकि इनमें प्रोटीन की मात्रा कम होती है। पत्तेदार हरी सब्जियों को अनाज - दाल में मिलाकर इस्तेमाल किया जाए तो भोजन में प्रोटीन की मात्रा अधिक हो जाती है।

▶▶सब्जियों की खेती अनुकूल वातावरण उज्वल भविष्य

सब्जियों की खेती में सिंचाई के साधन के रूप में नदी, नाला, तालाब, कुआँ, उद्वह सिंचाई परियोजना इत्यादि का व्यवहार किया जाता है। जम्मु क्षेत्र में कूल जमीन का मात्र 26 प्रतिशत भाग ही सिंचित है। बरसात में बिना सिंचाई के ही सब्जियों की खेती की जाती है। परंतु रबी एवं जायद में सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है जिसकी पूर्ति उपरोक्त सिंचाई साधनों से की जाती है। जहां मिट्टी तथा जलवायु सब्जियों की खेती के लिए बहुत ही उपयुक्त है उनमें गोबर या कम्पोस्ट खाद का व्यवहार आवश्यक है। यहाँ के कुछ क्षेत्रों में बरसाती, गर्मी और शीत ऋतू के आलू की भी खेती की जाती है। विभिन्न मौसम की विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ यहाँ पैदा की जाती है।

तापक्रम, वर्षा इत्यादि की अनुकूलता के चलते यहाँ सब्जियों की खेती सुगमता पूर्वक की जाती है। यहाँ से सुदूर बाजारों में सब्जियाँ भेजी जाती हैं। सब्जियों की खेती का इस क्षेत्र में भविष्य उज्ज्वल है। क्योंकि अधिकतर सब्जियाँ कम समय में ही तैयार हो जाती है जिन्हें बेचकर किसान अच्छी आमदनी प्राप्त कर लेता है। सब्जियों की खेती में नित नयी - नयी किस्मों का प्रयोग हो रहा है। इसमें कृषि विभाग, जम्मू का काफी योगदान है। किसानों ने विभिन्न प्रकार की सब्जियों के संकर किस्मों का प्रयोग करना शुरू कर दिया है। यहाँ बिक्री की समस्या तो कुछ हद तक है, परन्तु कुछ संभागों में जैसे कि चिनैनी, अस्सर, बग्गर, जैठी, भदरवाह, सुध महादेव, सुंदरबनी, बटोट, - सन्ना, सावनी, पाडर, इश्तियारी, पूंछ, - झुलास, हीरानगर, पौनी, रिआसी, इत्यादि में सब्जियों की खेती के लिए अनुकूल वातावरण है।

▶▶ हरी पत्तीदार सब्जियों का पौष्टिक रूप से महत्व

ऐसा माना जाता है कि हरी पत्तीदार सब्जियों के सेवन से बच्चों में अतिसार हो सकता है। इसलिए अधिकांश माताएं अपने बच्चों को इस पोषक तत्व को देने से परहेज करती हैं। कई बैक्टीरिया, कीटाणु, कीट एवं अनचाही वस्तु हरी पत्तीदार सब्जियों को पानी एवं मिट्टी के द्वारा दूषित कर देते हैं और ठीक तरह से सफाई न किये जाने पर ये सब्जियां अतिसार का कारण बन सकती हैं। इसलिए सभी हरी पत्तीदार सब्जियों को दूषित होने से रोकने के लिए उन्हें अच्छी तरह से पानी से धोना चाहिए ताकि अतिसार से बचा जा सके।

हरी पत्तीदार सब्जियों को अच्छी तरह से मिलाकर, पका कर एवं छान कर ही बच्चों को परोसना चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों के पोषण को बनाये रखने के लिए उन्हें अधिक पकाने से परहेज करना चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों को पकाने के बाद उनसे निकलनेवाले पानी को फेंकना नहीं चाहिए। हरी पत्तीदार सब्जियों को पकाने में इस्तेमाल किये जानेवाले बर्तन को हमेशा ढ़ंक कर ही रखना चाहिए। पत्तों को सूर्य की रोशनी में न सूखायें, क्योंकि इससे केरोटिन नष्ट हो जाता है। साथ ही पत्तों को अधिक न भूनें ।

हरी पत्तीदार सब्जियों के पोषण देने की क्षमता को उनकी कीमत से नापना उचित नहीं है।

परन्तु अधिकांश लोग सस्ती वस्तुओं को कम पोषक समझ कर उनका सेवन नहीं करते हैं। सस्ता होने के बावजूद भी हरी पत्तीदार सब्जियों में काफी पोषक तत्व होते हैं और यह सबके लिए महत्वपूर्ण है।

हरी सब्जियों की खेती को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वे सालभर उपलब्ध रहें। किचेन गार्डेन, छत और स्कूल के बगान हरी सब्जियों की खेती के लिए उचित स्थान हैं। सहजन की पत्ती और अगाथी की पत्ती का सेवन करना चाहिए और यह आसानी से उपलब्ध भी हो जायेगा अगर एक बार घर के पिछवाड़े में इसे लगा दिया जाये।

▶▶ रक्त में मधुमेह एवं कोलेस्टेरॉल के स्तर को घटाने के लिए मेथी के दानों का प्रयोग

मधुमेह और हृदय रोग आजकल काफी आम बीमारी हो गई है । रक्त में चीनी और चर्बी की वृद्धि से ही कई रोग होते हैं ।

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन) ने अपने शोध में पाया है कि मेथी इन दोनों बीमारियों में काफी उपयोगी है। इन बीमारियों से पीड़ित लोगों के इलाज में मेथी के बीज काफी उपयोगी होते हैं। कितना और कैसे मेथी का सेवन करें और इसे लेते समय क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए इसका उल्लेख नीचे किया जा रहा है -

मेथी के बीज को खाना पकाने में इस्तेमाल किया जाता हैं और यह राशन के दुकानों में असानी से उपलब्ध रहता है । रेशा की मात्रा अधिक होने के कारण मधुमेह में मेथी लाभदायक है । यह रक्त एवं पेशाब में चीनी की मात्रा और कोलस्टेरॉल की मात्रा को कम करता हैं । कच्चे एवं पके मेथी में यह गुण मौजूद है । मेथी के पत्तों में (मेथी साग) ये गुण नहीं पाये जाते हैं ।

मेथी के बीज की मात्रा मधुमेह एवं कोलेस्टेरॉल के स्तर पर निर्भर होता है। इसे 25 ग्राम से 50 ग्राम तक की मात्रा में लिया जा सकता है। शुरुआत में 25 ग्राम मेथी के बीज प्रतिदिन 12.5 ग्राम के हिसाब से दो-दो बार दोपहर और रात को खाने के साथ लिया जा सकता है। रात भर पानी में भिंगो कर या पाउडर के रूप में दूध ,पानी या मक्खनवाले दूध या छाँछ में मिलाकर मेथी के बीज का सेवन, भोजन करने के 15 मिनट पहले करना चाहिए ।

मेथी के बीज के कड़वेपन को कई विधियों से कम किया जा सकता है। वर्तमान में कड़वा रहित मेथी के बीज बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। रातभर पानी में भींगोकर रखनेवाले मेथी बीज के गुद्दे या पाउडर को रोटी, दही, दोसा, इडली, पोंगल, उपमा, दलिया, ढोकला, दाल या सब्जी में मिलाया जाता है । इन व्यंजनों में मेथी का कड़वापन भी कुछ हद तक कम हो जाता है । इन व्यंजनों को स्वादानुसार नमकीन या खट्टा बनाया जा सकता है। मेथी तब तक ही लेना चाहिए, जब तक रक्त और पेशाब में चीनी की मात्रा बढी हुई हो । मेथी के बीज के सेवन के साथ रोजाना शारीरिक कसरत जैसे - टहलना काफी लाभदायक होता है। शरीर के वजन में कमी भी इन्सुलिन के कार्य को संतुलित करती है । अतः वसा का सेवन कम करना चाहिए। कुछ रोगियों में मेथी के उपयोग से शुरुआती दिनों में गैस या डायरिया की समस्या भी हो जाती है ।

मधुमेह के इलाज में मेथी का सेवन केवल आहार संबंधी सहायक चिकित्सा के रूप में लेना चाहिए और प्रति मधुमेह चिकित्सा को जारी रखना चाहिए। हालाँकि मेथी के प्रयोग से प्रति मधुमेह दवाओं की आवश्यकता में कमी की जा सकती है। लेकिन अपने मन से दवा के डोज को बढ़ाने या घटाने की सलाह नहीं दी जाती है। आपके डॉक्टर ही आपके स्थिति को देख कर दवा की उचित खुराक के बारे में जानकारी दे सकते हैं । मधुमेह की गम्भीर स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

▶▶ मुख्य फसलों की किस्में

पालक- आलग्रीन, पूसा ज्योति, पूसा हरित, पूसा भारती व जोबनेर ग्रीन

विलायती पालक -वर्जिनिया स्वॉय व अर्ली स्मूथलीफ

मेथी - पूसा अर्ली बंच्रिग व पूसा कसूरी

सरसों - पूसा साग-1

चौलाई - पूसा किरन, पूसा कीर्ति, पूसा लाल चौलाई, बड़ी चौलाई व छोटी चौलाई आदि ।

बुवाई का समय - मैदानी क्षेत्रों में पत्तीदार सब्जियों की बुवाई सर्दी के मौसम में सितम्बर से नवम्बर तक अथा गर्मी में फरवरी से मार्च तक करते हैं तथा वर्षा ऋतु में जून अंत से जुलाई तक करते हैं।

बीज दर

पालक व विलायती पालक -25-30 कि.ग्रा.

मेथी - 5 कि.ग्रा./हेक्टेयर

चौलाई - 1.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर

कसूरी मेथी - 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर

सिंचाई - मौसम तथा फसल की आवश्यकतानुसार नियमित रुप से सिंचाई करें।

उर्वरक व खाद 25-30 टन गोबर की खाद तथा 80 कि.ग्रा, नत्रजन, 60 कि.ग्रा. फास्फोरस व 50 कि.ग्रा./हेक्टेयर का प्रयोग करें।

प्रमुख रोग एवं नियंत्रण

1. मेथी

a. रोग- मृबुरोमिल आसिता

लक्षण- पत्तियों, की ऊपिरी सतह पर पीले रंग के धब्बे बनते हैं और निचली सतह पर भूरे या बैंगनी रंग की रुई के समान उलझी हुई कवक की बढ़वार दिखाई पड़ती है।

नियंत्रण मैंकोजेब, रिडोमिल एम.जेड.-72 का 2.5 कि.ग्रा. का एक हजार लिटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

b. रोग- पर्ण दाग

लक्षण पत्तियों, पर गोल या अर्धगोलाकार धब्बे आते हैं । धब्बे का किनारा भूरा तथा बीच का भाग सफेद या हल्के रंग का होता है। तनों जाती है। पत्तियों पर भी इस रोग के लक्षण दिखाई पड़ते हैं। रोगी फलियाँ पीली होकर नीचे गिर जाती है।

नियंत्रण बीज बोते समय कार्बेन्डाजिम या विटावैक्स 2.5 ग्रा. /कि.ग्रा. बीज दर से उपचारित करें। मैकोजेब 2.5 कि.ग्रा. या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 कि.ग्रा. का एक हजार लिटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

▶▶ कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

पत्ती भक्षण कीट

मेथी को पत्ती भक्षण कीट जैसे भृंग, इल्लियाँ व ग्रासहॉपर आदि हानि पहुंचाते हैं।

प्रबंधन

इसके प्रबंधन के लिए नीम बीज अर्क (5 प्रतिशत) या स्पिनोसेड 45 एस.सी. 1 मि.लि./4 लिटर या एमामेक्टिन ब्रेंजोएट 5 एस.जी. 1 मि.लि/2 लिटर या एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

2. पालक

a. रोग- मृबुरोमिल आसिता (पैरोस्पोरा ट्राइगेनेली)

कारण- बीज पत्रों तथा पत्तियों, पर पीले रंग के नियमित आकार के धब्बे उत्पन्न होते हैं पौधों की पतियाँ छोटी एवं पीली हो जाती हैं

नियंत्रणः रीडोमिल एम जेड 72, 25 ग्रा./ कि.ग्रा. बीज दर से उपचारित करें

b. रोग- श्वेत किट्ट (एल्बूगो ऑकसीडेन्टोलिस)

कारण धब्बे पत्तियों, और तनों पर उभरे हुए फफोलों के रुप में दिखाई पड़ते हैं। ये फफोले गोल, सफेद, चमकीलें होते हैं। पत्तियाँ भूरी हो जाती है और पूरी पत्ती या पौधा मर जाता है।

सब्जियों की खेती में सिंचाई के साधन के रूप में नदी, नाला, तालाब, कुआँ, उद्वह सिंचाई परियोजना इत्यादि का व्यवहार किया जाता है। जम्मु क्षेत्र में कूल जमीन का मात्र 26 प्रतिशत भाग ही सिंचित है। बरसात में बिना सिंचाई के ही सब्जियों की खेती की जाती है। परंतु रबी एवं जायद में सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है जिसकी पूर्ति उपरोक्त सिंचाई साधनों से की जाती है। जहां मिट्टी तथा जलवायु सब्जियों की खेती के लिए बहुत ही उपयुक्त है उनमें गोबर या कम्पोस्ट खाद का व्यवहार आवश्यक है। यहाँ के कुछ क्षेत्रों में बरसाती, गर्मी और शीत ऋतू के आलू की भी खेती की जाती है।

भोजन विशेषज्ञों के अनुसार एक व्यक्ति को प्रतिदिन 280 ग्राम सब्जियों का उपभोग करना चाहिए, जिसमें 85 जड़ वाली सब्जियाँ, 85 ग्राम अन्य सब्जियाँ तथा 110 ग्राम पत्ता वाली सब्जियाँ शामिल हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ की अधिकतर जनता शाकाहारी है। सब्जियों का महत्व और भी बढ़ जाता है। इतना होते हुए भी हमारे देश में अन्य देशों की तुलना में सब्जियों का उपयोग बहुत ही कम होता है। भारतीय भोजन में धान्य की अधिकता रहती है, जबकि प्रगतिशील देशों में धान्य की अपेक्षा सब्जियों और फलों की अधिकता रहती है।